आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,सोमवार 22 जनवरी 2024 ■ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-11 ■ वर्ष- 39 ■ अंक-294 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 23 जनवरी 2024 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यजमानी में प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या,22 जनवरी। रामलला प्राण प्रतिष्ठा साधु संतों और देश के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में हुई। रामलाल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए फिल्मी जगत, व्यापार जगत, खेल जगत और राजनीति के क्षेत्र के दिग्गज पधारे थे। यह 500 वर्षों का तपस्या है जो आज पूरा हुआ है। प्रभु राम ठाठ से विराजमान हुए हैं।

जिस क्षण का इस देश ने लगभग 500 वर्षों का इंतजार किया था, आखिर वह दिन आ ही गया। रामलला टाट से निकलकर ठाठ पर महल में विराजमान हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान के रूप में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम किया। इस दौरान उनके ठीक बगल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। रामलला प्राण प्रतिष्ठा साधु संतों और देश के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में हुई। रामलाल प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए फिल्मी जगत, व्यापार जगत, खेल जगत और राजनीति के क्षेत्र के दिग्गज पधारे थे। यह 500 वर्षों का तपस्या है जो आज पूरा हुआ है। प्रभु राम ठाठ से विराजमान हुए हैं। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के ऊपर हेलीकॉप्टरों से पुष्पों की बारिश की गई। इस दौरान देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कहा कि आज भगवान राम आए हैं। 22 जनवरी को पूरे देश में राम दीपावली है। इस दौरान प्रसिद्ध गायक सोनू निगम, अनुराधा पौडवाल, शंकर महादेवन ने अयोध्या में राम भजन प्रस्तुत किया। राम मंदिर को भव्य तरीके से फूलों से सजाया गया था।आमंत्रित लोगों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, अनुपम खेर, कैलाश खेर, जुबिन नौटियाल, प्रसून जोशी, मनोज जोशी, सचिन तेंदुलकर,

अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रविशंकर प्रसाद और अनिल अंबानी शामिल हैं। विशिष्ट हस्तियों में हेमा मालिनी, कंगना रनौत, श्री श्री

रविशंकर, मोरारी बापू, रजनीकांत, पवन कल्याण, मधुर भंडारकर, सुभाष घई, शेफाली शाह और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंच गए थे। कार्यक्रम के लिए आमंत्रित लोगों की सूची में सात हजार से अधिक लोग शामिल हैं। अयोध्या में सुबह से ही सड़कों पर राम धुन बज रही है। भगवान राम के बाल स्वरूप रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में देश के प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधियों और विभिन्न आदिवासी समुदायों एवं प्रमुख लोगों सहित सभी क्षेत्रों के लोग शामिल होंगे। अभिषेक समारोह के लिए अयोध्या में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। इसके तहत 10,000 सीसीटीवी कैमरे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस ड्रोन लोगों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। कार्यक्रम स्थल पर सादे कपड़ों में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। मंदिर शहर के हर प्रमुख चौराहे पर कंटीले तारों से जुड़े जंगम अवरोधक लगाये गये हैं। रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु हमलों और भूकंप जैसी आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित कई एनडीआरएफ टीमों को भी तैनात किया गया है।

प्रभु श्रीराम का गृह प्रवेश

प्रकाश शर्मा

सरयू नदी आज खूब इतरा रही है। इतराए भी क्यों न। प्रभु श्रीराम का गृहप्रवेश जो हो गया है और आज तो प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। सरयू आज इस अनुष्ठान की साक्षी बन गई है। साक्षी तो तब भी बनी थी जब प्रभु राम वनवास प्रस्थान किए थे। सरयू नदी पिछले पांच सौ साल से दुखी और अलसाई सी बह रही थी क्योंकि प्रभु राम टाट के निवास में वास कर रहे थे। सरयू तब भी इतराई थी जब राम जन्मभूमि मामले में न्यायालय का फैसला प्रभु भक्तों के पक्ष में आया था। ये वही सरयू है जिसके निर्मल-पवित्र जल में दशरथनंदन श्रीराम जल क्रीड़ा किया करते थे। सरयू का भाग्य देखिए त्रेता युग में प्रभु को अपनी गोद में बैठाकर उनके पांव पखारने का अवसर मिला और कलयुग में भी सरयू के जल से ही भगवान का अभिषेक किया जाएगा। सरयू तो इठलाएगी ही न। त्रेता युग में भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित महल में रामचन्द्रजी का निवास था। कलयुग में विश्वकर्मा के मानव दूतों द्वारा निर्मित मंदिर में कौशल्यानंदन रहेंगे। 500 वर्षों बाद उनका गृह प्रवेश जो हो रहा है। इससे पूर्व भगवान ने टाट व तिरपाल से निर्मित झोपड़ीनुमा देवालय में वर्षों बिताया है। प्रभु ने उस टाट के मंदिर से साफ संदेश दिया था कि जहां भी रहो खुश रहो, धैर्य रखो और समय की प्रतीक्षा करो। मुझे ख्याल आता है उस दिन का जब तरुण छत्तीसगढ़ ने भी 'झोपड़ीवास' भोगा था। उस जर्जर भवन में तरुण छत्तीसगढ़ ने वर्षों सांसें ली है। गरमी में भट्ठी की तरह तपता कमरा, बारिश में चुहती छत और ठंड में कांपते अंगों के बीच अखबार का दफ्तर लगता था। लगता था मानो अखबार की सांसें अब रुकी तो तब रुकी। कहते हैं न कि ईमानदारी से अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने वाले की ईश्वर भी मदद करते हैं। तरुण छत्तीसगढ़ ने तो राम नवमीं के दिन पत्रकारिता के गर्भ से जन्म लिया है ईमानदारी तो रहेगी ही न। मर्यादा पुरुषोत्तम के वनवास को कौन भूल सकता है। राम जन्मभूमि के लिए लंबे संघर्ष, साधु-संतों के शहीद होने की घटना और नरसंहार जैसी आततायी हिंसा को क्या इतिहास के काले पन्नों से मिटाया जा सकता है। भूल तो तरुण छत्तीसगढ़ के संघर्षों को भी नहीं सकते। अपने अधिकार की भूमि के लिए उस आमरण अनशन का दृश्य आज भी आंखों के रजतपट पर नजर आने लगता है। वह तो कौशल (कौशल किशोर मिश्र-प्रधान संपादक) का कौशल था कि राज्य सरकार ने तरुण छत्तीसगढ़ के पक्ष में फैसला दिया था। तब हम सहयोगी भी इतराए थे सरयू आज इतरा तो रही ही है, खुशी के मारे उसकी लहरें उछालें भी मार रही है। ऐसा लग रहा है मानो किनारे की सीमा को तोड़कर प्रभु के चरणों को नमन करने आ जाएगी। अद्भुत है आज का दिन। नभ मंडल में कहीं दूर बैठे गोस्वामी तुलसीदास भी मुस्कुरा रहे होंगे। वे सोच रहे होंगे कि आज के अवसर पर रामचरित मानस के आठवें कांड की रचना कर दी जाए। चित्रकूट में मां मंदाकिनी हर्षित है। उनका जल प्रवाह तेज हो गया है मानो उनको भी प्रभु से मिलने की शीघ्रता हो। भगवान श्रीराम ने अपनी भार्या सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ इसी मंदाकिनी की गोद का सुख वनवास के दौरान पाया था। हनुमानगढ़ी में विराजमान हनुमानजी के नयनों से खुशी के आंसू झर रहे हैं। बजरंगबली को भी अपने राम के मंदिर का इंतजार था। माता अहिल्या की आंखों में खुशी के आंसू झर रहे होंगे। माता याद कर रही होंगी कि अपने चरण स्पर्श से मुझे पत्थर से काया रूप देने वाले मेरे राम आज गृहप्रवेश कर रहे हैं। भगवान को 56 भोग लगाए जाएंगे किंतु क्या मां शबरी के जूठे बेर प्रभु को याद नहीं आएंगे। कौन जाने किस वक्त शबरी वही बेर राम को खिला जाए। हमारे राम तो सहज व सरल हैं। उन्होंने मर्यादा का महत्व बताया है। श्री कृष्ण ने मर्यादा का पालन करना सिखाया है। छत्तीसगढ़ की धरती तो निहाल है। हो भी क्यों न। छत्तीसगढ़ श्रीराम की जननी माता कौशल्या का मायका जो है। यानी प्रभु राम का ननिहाल। इस मायने भगवान राम रिश्ते में छत्तीसगढ़ के भांजे हुए और छत्तीसगढ़ में भांजा को देवतुल्य माना जाता है। भांजों के पैर पड़े जाते हैं। छत्तीसगढ़ भी अपने भाग्य पर

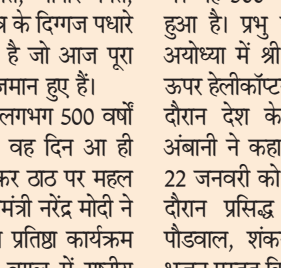

...शेष पृष्ठ 3 पर

मूक-बधिर बच्चों ने मनाया रामोत्सव

साइंस कालेज मैदान में प्रभु राम की सबसे बड़ी रंगोली

दूधाधारी मठ में प्रभु के दर्शन करने उमड़ी भीड़

मेक्सिको में भी गूंजा जय श्री राम

मेक्सिको सिटी,22 जनवरी। नवनिर्मित राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा (प्रतिष्ठा समारोह) से पहले, उत्तरी अमेरिकी देश मेक्सिको को रविवार को क्वेरेटारो शहर में अपना पहला भगवान राम मंदिर मिल गया। भारतीय प्रवासियों द्वारा गाए गए भजनों और गीतों के बीच आयोजित देवता का अभिषेक समारोह, मैक्सिकन मेजबानों के साथ एक अमेरिकी पुजारी द्वारा किया गया था। बाद में मंदिर का उद्घाटन किया गया और भक्तों के लिए खोल दिया गया। नवनिर्मित मंदिर में प्रतिष्ठित मूर्तियां भारत से लाई गई थीं। मेक्सिको में भारतीय दूतावास ने खबर साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का सहारा लिया। इसमें कहा गया कि मेक्सिको में पहला भगवान राम मंदिर! अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर, मेक्सिको के क्वेरेटारो शहर को पहला भगवान राम मंदिर मिला। क्वेरेटारो मेक्सिको में पहले भगवान हनुमान मंदिर की भी मेजबानी करता है। मंदिर और समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए, इसमें कहा गया, प्राण प्रतिष्ठा समारोह एक अमेरिकी पुजारी द्वारा मैक्सिकन मेजबानों और भारत से लाई गई मूर्तियों के साथ किया गया था। भजन और गाने गाए जाने से वातावरण दिव्य ऊर्जा से भर गया था पूरे हॉल में प्रवासी भारतीयों की आवाज़ गूँज उठी।

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज के हाथों से चरणामृत ग्रहण कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 दिनों का उपवास पूरा किया।

शिवरीनारायण,22 जनवरी। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शिवरीनारायण स्थित भगवान नर नारायण मंदिर में किया दर्शन। मुख्यमंत्री ने भगवान नर नारायण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर छत्तीसगढ़ प्रभारी श्री ओम माथुर, गौसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष महंत श्री रामसुंदर दास, सांसद श्री गुहाराम अजगले, जनप्रतिनिधि श्री गुलाब सिंह चंदेल, कलेक्टर आकाश छिकारा, एसपी श्री विजय अग्रवाल उपस्थित रहे।

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं, राम विवाद नहीं, समाधान हैं: मोदी

अयोध्या,22 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करने के बाद वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए राम मंदिर का विरोध करने वाले लोगों पर भी तंज कसा। जाहिर सी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीति में है और ऐसे में उन्होंने अपने वक्तव्य के जरिए विरोधियों को एक खास संदेश देने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने कहा कि वो भी एक समय था जब कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जान पाए। मोदी ने कहा कि रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। ये निर्माण किसी आग को नहीं बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। उन्होंने कहा कि मैं आज उन लोगों से आह्वान करूंगा, आइए आप महसूस कीजिये अपनी सोच पर पुनर्विचार कीजिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राम आग नहीं है, राम ऊर्जा है। राम विवाद नहीं, राम समाधान है। राम सिर्फ हमारे नहीं, राम तो सबके हैं। मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब लगातार विरोधियों की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि राम मंदिर कार्यक्रम को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है। यह पूरी तरीके से भाजपा और आरएसएस का कार्यक्रम हो गया है। इसके अलावा देश में राम मंदिर को लेकर वर्षों तक

...शेष पृष्ठ 3 पर

राम पुष्प और बजरंगी पताकाओं से सजी इस्पात नगरी भिलाई

- राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में उत्साह
- मंदिरों में पूजा पाठ के लिए उमड़ी महिलाएं

भिलाई, 22 जनवरी। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मिनी भारत भिलाई में भी भरी उल्लास और उत्साह का माहौल है। त्यौहार से उत्साह के वातावरण में लोग चिर अभिलाषा भरी निगाहों से प्रभु श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को देख रहे हैं और रामायण का पाठ कर रहे हैं। शहर में रात्रि के प्रथम प्रहर से ही राम धुनों की गूँज सुनाई देने लगे और सुबह होते-होते मंदिरों में पूजा-पाठ के लिए कतार लग गयी। खास कर महिलाएं पूजा की थाल लिए मंदिरों में पहुंचीं जहाँ पुजारियों ने विधिवत पूजा-पाठ का कार्य संपन्न कराया। मंदिरों के साथ ही जगह-जगह माइक पर मंगल ध्वनि सुनायी दे रही है साथ ही राम भजन भी सुनने को मिल रहे हैं।

राम पुष्प और बजरंगी पताकाओं से सजावट - शहर के प्रमुख बाजार एवं सड़कों को राम पुष्प और बजरंगी पताकाओं से सजा दिया गया है। इसके लिए व्यापारी संघों ने पहले ही निर्णय ले लिए थे। प्रमुख रूप से जवाहर मार्केट, सुपेला बाजार, लिंक रोड, टाउन शिप में बड़े पैमाने पर सजावट की गयी है।

रामायण एवं सुंदरकांड का पाठ - आज सुबह से ही मन्दिरों से लेकर घरों तक एवं जगह-जगह रामायण का पाठ हो रहा है। इसके साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से सुंदरकांड के पाठ की अनुगूँज भी सुनाई दे रही है। पंडित-पुजारियों के मुखारविंद से रामायण एवं सुन्दरकाण्ड का पाठ, भजन एवं कीर्तन की सांगीतिक प्रस्तुति से पूरा शहर राममय हो गया है।

जगह-जगह भंडारा कार्यक्रम - इस अवसर पर जगह-जगह भोग भंडारे का आयोजन हो रहा है। कहीं खिचालदी तो कहीं पूड़ी सब्जी हलवा और कहीं कहीं कहीं चना का वितरण किया जा रहा है। भक्त एवम श्रद्धालु मंदिरों एवं आश्रम-अस्पतालों में फल आदि का वितरण भी करते देखे जा रहे हैं।

3100 राम नाम का दिया जलाकर राम चरित , हनुमान चालीसा का पाठ किया कांग्रेसियों ने

कवर्धा, 22 जनवरी। 21 तारीख को पूर्व क्रेडा सदस्य कन्हैया अग्रवाल , जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष होरी राम साहू , पूर्व कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजकुमार तिवारी , पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा अगम अनंत , युवा कांग्रेसी नेता अगम अनंत , शहर महिला अध्यक्ष रानू दुबे , पूर्व शहर अध्यक्ष मोहित महेशवरी , यूवा नेता वाल्मीकि वर्मा राजेश शुक्ला , वीरेंद्र जांगड़े सहित सैकड़ों कांग्रेसियों ने राम भगवान की पूजा की । । राम चरित मानस का पाठ किया और हनुमान चालीसा का पाठ कांग्रेसियों ने पढ़ा । इकतीस सो राम के नाम का दिया जलाएं । भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमे हजारों लोग उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किए ।

रामोत्सव

भिलाई, 22 जनवरी। आज सारा विश्व राममय हो गया है। अयोध्या में जहाँ 22 जनवरी को प्रभु राम के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पूरे विधि-विधान से होगी वहीं कलाकार भी इन सबमें पीछे नहीं हैं वे भी विभिन्न तरीकों से वातावरण को राममय बनाने को पूरी कोशिश कर रहे हैं।

जैन स्थानक भवन नेत्र शविर में 400 लोगों की जांच

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 22 जनवरी। भारतीय जैन संगठन के तत्वावधान में शुक्रवार को जैन स्थानक भवन कवर्धा में नेत्र रोग परीक्षण एवं निदान शिविर आयोजित किया गया । शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडे द्वारा फीता काटकर किया गया । मंगला चरण श्रीमती रश्मि बाफना एवं श्रीमती रितु बरडीया द्वारा किया गया । अतिथियों का स्वागत श्री विकास सेठिया अनिल लूनिया , प्रतीक लूणिया , अमित श्रीश्रीमाल, अभिषेक पारख, पारस श्री श्रीमाल, प्रशांत मोदी आदि ने किया । भारतीय जैन संगठना के जिलाध्यक्ष डॉ अतुल जैन ने बताया की आरंभ से ही हमारा फोकस था कि सुदूर वर्ती ग्राम्य अंचल के लोग भी शिविर से लाभांवित हो , तद्हेतु तकरीबन 50 दिन कार्य योजना बनाई गई, इसी का सुपरिणाम है कि आज लोरमी , रेंगाखार एवं उस के समीप वर्ती ग्रामो के नेत्र रोगीयो ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच करा नेत्र रोग निदान करा रहे हैं ।

मुख्य अतिथि संसद सदस्य संतोष पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि जैन समाज भारतीय जैन संगठना समाज सेवा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी भूमिका अदा करते रहे हैं । नर सेवा ही नारायण सेवा को मूल मंत्र मानकर किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय है । भारतीय जैन संगठन के प्रदेशाध्यक्ष मनोज लूंकड ने भगवान महावीर के उदघोष ÷ जियो और जीने दो ÷ को आदर्श मानकर संगठना द्वारा चयनित स्थानों पर सर्व जन हिताय विभिन्न प्रकल्प को कार्यांवित किया जा रहा है । उन्होंने अच्छी पहल के लिए कबीरधाम इकाई की भूरि भूरि प्रशंसा की। विशाल नेत्र शिविर के सौजन्य कर्ता जिला सचिव अमित बरडीया एवं सांखला परिवार के राजेंद्र सांखला को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया । सूर्या नेत्रालय कवर्धा , गणेश विनायक आई हॉस्पिटल रायपुर एवं एम जी एम नेत्र संस्थान रायपुर के चिकित्सकों एवं स्टॉफ ने अपनी अविस्मरणीय सेवाएं शिविर में दी । इस आयोजित शिबिर में लगभग 400 रोगियों के नेत्रों की जांच की गई और उसमें 150 मोतियाबिंद शल्य क्रिया योग्य पाए गए जिनका कवर्धा अथवा रायपुर में जहां भी वे चाहे निशुल्क ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपण किया जाएगा । मैनकाइंड ओक्युलरिस निहाल पिल्ले की तरफ से आई ड्रॉप का वितरण किया गया शिविर की सफलता में कोषाध्यक्ष श्री विजय लूणिया पराग पारख नितेश झाबक पदम जैन आदि का सराहनीय योगदान रहा ।शिविर मे उदघोषक की भूमिका का कुशल निर्वहन श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ अध्यक्ष श्री अजय टाटिया ने की।भारतीय जैन संघटना की महिला शाखा से श्रीमती नीता लुनिया श्रीमती रश्मि बाफना श्रीमती रितु सेठिया श्रीमती प्रवीणा मोदी श्रीमती प्रीति लूनिया श्रीमती रश्मि लूनिया श्रीमती गोल्डी पारख श्रीमती पूजा बाठिया श्रीमती रितु बरडिया श्रीमती तृप्ति श्रीश्रीमाल ने पुरे दिन मरीज और परिजनों को पोहा चाय वितरण किया शिविर में कवर्धा के दवा प्रतिनिधि ग्रुप ने भी व्यवस्था में सहयोग दिया।

घनश्याम त्रिपाठी के कविता संग्रह में है महामारी का संघर्ष: मदन कश्यप

भिलाई, 22 जनवरी। जन संस्कृति मंच द्वारा प्रसिद्ध कवि घनश्याम त्रिपाठी के कविता संग्रह जो रास्ता संघर्षमय होता है पर समीक्षा गोष्ठी का आयोजन 21 जनवरी रविवार को सायं 4 बजे कल्याण महाविद्यालय के सभागार संपन्न हुआ । मुख्य अतिथि कवि मदन कश्यप थे । अध्यक्षता नासिर अहमद सिकंदर ने की । इस अवसर पर गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मदन कश्यप ने कहा कि ऐसे समय में जब हिंदी कविता ढलान की ओर जा रही है भिलाई के कवि घनश्याम त्रिपाठी के कविता संग्रह ने सुखद अहसास कराया है। उनके कविता संग्रह जो रास्ता संघर्षमय होता है की कवितायेँ सोचने पर विवश करती हैं।

इन कविताओं में वैचारिक संघर्ष है। आत्मनिरीक्षण और आत्मसंघर्ष के लिए प्रेरित करती हैं। मुक्तिबोध के अँधेरे में का उल्लेख करते हुए कवि मदन कश्यप ने कहा कि मन की यात्रा महत्त्वपूर्ण है। वही कविता को बड़ा बनाती है। निराला और पंत की भाषा एवं बिम्ब का उल्लेख करते हुए कश्यप ने कहा कि स्पष्ट आत्मालोचना ही है जो निराला को निराला बना देती है। नागार्जुन और मुक्तिबोध ने भी गहनता से आत्मनिरीक्षण किया। इस दृष्टि से देखें तो घनश्याम त्रिपाठी के कविता संग्रह में पूरा संघर्ष महामारी का संघर्ष है जो सत्ता की करूरता पूंजी का विस्फोट महामारी की तरह है। वरिष्ठ आलोचक डॉ. सियाराम शर्मा ने प्रमुख वक्त के रूप में गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए घनश्याम त्रिपाठी की कविताओं को मनुष्यता को लौटाने वाली बताते हुए कि ये कवितायेँ मनुष्यता के पैमाने को रेखांकित करती हैं। डॉ शर्मा ने कहा कि घनश्याम त्रिपाठी समयबद्ध कवि हैं। हमारा समय और समाज इन कविताओं में उभरकर सामने आता है। इन कविताओं में एक छटपटाहट और पीड़ा है। दर्द में भीगा हुआ स्वर है। आज के समय की सबसे बड़ी चिंता है कि भाषा में अर्थ को कैसे लौटाया जाय। डॉ शर्मा ने कहा कि मनुष्य धीरे-धीरे बंजर होते जा रहा है इसे बचाये रखने के लिए इसे निरंतर गोड़ते रहना है। इस मायने में कवितायेँ उल्लेखनीय हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में नासिर अहमद सिकंदर ने कविता संग्रह जो रास्ता संघर्षमय होता है को बेजोड़ संग्रह बताते हुए इस पठनीय एवं संग्रहणीय बताया। मीता दास, वासुकि प्रसाद उन्मत्त एवं एन पापा राव ने कविता संग्रह पर अपने विचार रखे। आलेख कैलाश बनवासी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक तिवारी एवं आभार प्रदर्शन सुरेश वाहने ने किया। इस अवसर पर अनेक साहित्यकार उपस्थित थे ।

बीएसपी ने किया वाटर कूलर, वाटर प्यूरीफायर तथा सोलर ड्यूल पंप का हस्तांतरण

भिलाई, 22 जनवरी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा ग्राम बोरई के शासकीय हाई स्कूल को वाटर कूलर, वाटर प्यूरीफायर तथा सोलर ड्यूल पंप प्रदान किया गया। इस हेतु आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ प्रबंधक बी सुधाकर द्वारा ग्राम पंचायत बोरई के सरपंच को वाटर कूलर, वाटर प्यूरीफायर तथा सोलर ड्यूल पंप हस्तांतरण किया गया। हस्तांतरण समारोह के इस अवसर पर ग्राम पंचायत बोरई के सरपंच, पंचायत के पदाधिकारी, शाला के प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं सहित गाँव के जन प्रतिनिधी एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

सेल स्थापना दिवस पर इस्पात बिरादरी के 666 सदस्य होंगे लॉन्ग सर्विस अवॉर्ड से सम्मनित

भिलाई, 22 जनवरी। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के स्थापना दिवस 24 जनवरी को सेल की सभी इकाइयों में सेल गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जिसके उपलक्ष्य में 24 जनवरी को भिलाई इस्पात संयंत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। सेल, जो 24 जनवरी, 1973 को संगठित की गई थी, अपने उत्पादन और उपलब्धियों का उत्सव मना रही है। सेल स्थापना काल से ही इस्पात उत्पादन और देश के विकास में भागीदार रहा है। इस तारतम्य में, 24 जनवरी को भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को प्रत्येक वर्ष की तरह, इस वर्ष भी दीर्घ सेवा सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। इस वर्ष कुल 666 कर्मचारियों को दीर्घ सेवा सम्मान प्राप्त होगा। जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र में पिछले 25 वर्षों से निरंतर अपनी सेवा देने वाले 40 कार्यपालक एवं 626 गैर कार्यपालक सम्मानित होंगे। कार्यपालकों को संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र में प्रातः 10:00 बजे, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, दीर्घ सेवा सम्मान से सम्मानित करेंगे। समारोह में संयंत्र के कार्यपालक निदेशकगणों सहित संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद होंगे। गैर कार्यपालकों को उनके सम्बंधित विभागों में दीर्घ सेवा सम्मान प्रदान किया जायेगा 7 साथ ही, 24 जनवरी को प्रातः 8:00 बजे से जयंती स्टेडियम, इंदिरा प्लेस में 5 किमी पैदल चाल/दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता हेतु, सेल निगमित कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा तय मापदंड के आधार पर श्रेणियां निर्धारित की गई है। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग के श्रेणी अ में, कक्षा छठवीं तक के बच्चे, श्रेणी ब में कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के बच्चे, श्रेणी स में बारहवीं से ऊपर 45 वर्ष तक के, श्रेणी द में 46 वर्ष से 60 वर्ष तक तथा श्रेणी उ में भूतपूर्व कर्मचारी (सेवानिवृत्त) भाग ले सकते हैं। सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ समय देने वाले एक धावक और धाविका को 5000 रुपये नगद पुरस्कार तथा सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ समय देने वाले 6वीं कक्षा तक के छात्र एवं छात्रा को 3000 रूपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता में सेल कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्य तथा सेल द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाएं भाग ले सकती हैं।

कृत्रिम एवं सहायक उपकरणों का वितरण-सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जो भारत सरकार का एक सार्वजनिक उपक्रम है, के सहयोग से विगत दिनों, दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु परीक्षण शिविर आयोजित किया गया था। यह परीक्षण शिविर पाटन, नंदिनी, अहिवारा और भिलाई में आयोजित किया गया था। परीक्षण शिविर में निर्धारित मानदंड के अधार पर चिन्हांकित दिव्यांगजनों को निम्नलिखित स्थानों में कृत्रिम एवं सहायक उपकरणों का वितरण जायेगा। अतः सभी हितग्राही निर्धारित दिनांकों में निम्न स्थानों पर पहुंचकर अपने सहायक उपकरण एकत्रित कर लें। कृत्रिम एवं सहायक उपकरणों का वितरण, दिनांक 23 जनवरी 2024 को प्रात- 10:00 बजे बीएसपी नंदिनी हॉस्पिटल, नंदिनी, अहिवारा में में, दिनांक 24 जनवरी 2024 को प्रात- 10:00 बजे महात्मा गाँधी कला मंदिर, भिलाई में एवं दिनांक 25 जनवरी 2024 को प्रात- 10:00 बजे देवांगन समाज भवन, पाटन में आयोजित किया जायेगा। लाभार्थियों दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, कान की मशीन, दृष्टि बाधितार्थ फोल्डिंग छड़ी, ट्राईपोड, टेट्रोपोड, सर्वाइकल कालर, नी ब्रेस और श्रवण यंत्र सहित कई सहायक एवं कृत्रिम उपकरणों का वितरण निःशुल्क किया जायेगा।

एक नजर

शहर की दो दुकानों में चोरी

भिलाई, 22 जनवरी। भिलाई बदमाशों ने एक रात की आड़ में शहर के दो दुकानों में चोरियां की आरोपित ने कसारीडीह चौक दुर्ग स्थित मोबाइल की दुकान का ताला तोड़कर 42 मोबाइल, एसेसरीज और 12 हजार रुपये नकद चोरी कर लिया। वहीं रिसाली के एक पान ठेला से बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और चार हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी कर उनकी तलाश शुरू की है पुलिस ने बताया कि पाटणकर कालोनी दुर्ग निवासी शिकायतकर्ता सन्नी वासवानी की कसारीडीह चौक दुर्ग में मोबाइल की दुकान है शिकायतकर्ता ने 19 जनवरी को दिन में दुकान खोली थी और रात में बंद कर अपने घर चला गया था अगली सुबह बगल में रहने वाले ने उसे फोन कर जानकारी दी कि उसकी दुकान के शटर का ताला टूटा है इस पर शिकायतकर्ता दुकान पहुंचा और देखा तो 42 मोबाइलएसेसरीज और गल्ले में रखे करीब 12 हजार रुपये नकद नहीं थे। चोरी गए मोबाइल में 24 नए और 18 पुराने थे चोरी हुए पूरे सामान की कुल कीमत तीन लाख 22 हजार रुपये आकी गई है दूसरे मामले में आशीष नगर पश्चिम रिसाली निवासी शिकायतकर्ता पीयूष जैन ने नेवई थाना में प्राथमिकी कराई है शिकायतकर्ता की ऐक्सिस बैंक रिसाली के सामने एक पान ठेला की दुकान है शिकायतकर्ता 18 जनवरी की रात को दुकान बंद कर घर चला गया था। अगली सुबह वह दुकान खोलने पहुंचा तो उसकी गुमटी के बगल का दरवाजा टूटा था उसने अंदर जाकर देखा तो वहां से बीड़ी सिगरेट, गुटखा और चार हजार रुपये नकद गायब थे जिसकी कुल कीमत 20 हजार रुपये आकी गई है।

महिला को दो ब्लैंक चेक देना पड़ा भारी

भिलाई, 22 जनवरी। भिलाई पॉलिसी की केवाइसी के लिए दो ब्लैंक चेक देना पॉलिसी धारक महिला को भारी पड़ गया पॉलिसी खुलाने के चार साल बाद आरोपी दो एडवाइजर्स ने ब्लैक चेक के जरिए 14 लाख बैंक से पार कर दिए रिपोर्ट पर भिलाई नगर पुलिस मामले में धारा 420 के तहत अपराध दर्ज तक विवेचना कर रही है भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि सेक्टर-10 निवासी महिला ने वर्ष 2021 में कंपनी दो एडवाइजर्स की झांसे में आकर 5-5 लाख रुपए की दो पॉलिसी खोलवाई आरोपी एडवाईजरों ने उसे केवाइसी के लिए दो ब्लैंक चेक लिया। महिला ने पंजाब बैंक और एसबीआई बैंक के दो बैंक चेक दिया। खुलने के वर्षो बाद एडवाजरों ने उसके दोनों बैंक के खातों से 14 लाख रुपए उड़ा दिए।

धारदार हथियार लहराते आदतन बदमाश गिरफ्तार

भिलाई, 22 जनवरी। भिलाई सुपेला थाना क्षेत्र धारदार हथियार लहराते हुए एक बदमाश को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपी पूर्व में भी गंभीर अपराधों में संलिप्तता रही है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है सुपेला टीआई दुर्गेश शर्मा ने बताया कि एक व्यक्ति गांधी चौक पुरानी बस्ती सुपेला के पास आम जगह में धारदार हथियार चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना मिलते ही सुपेला पुलिस ने तत्काल संदेही को घेराबंदी कर गांधी चौक पुरानी बस्ती सुपेला के पास से पकड़ा गया आरोपी के कब्जे से एक लोहे का (कटर) चाकू जब्त किया है आरोपी रमेश यादव उर्फ रमउ (28 वर्ष) निवासी पुरानी बस्ती गांधी चौक सुपेला को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में दुर्ग जेल भेजा गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने ग्रामीण लोक कला उत्सव का आयोजन किया

भिलाई, 22 जनवरी। भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को ग्राम कुरूद में लोककला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण लोकोत्सव का आयोजन रात्रि 8 बजे से देर रात तक किया जाएगा। इन आयोजनों में छत्तीसगढ़ की विभिन्न लोककलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। देर रात तक चलने वाले इन आयोजनों का आनंद स्थानीय नागरिक उठाते हैं।

विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने किया भगवान श्रीराम की आरती

महासमुंद 22 जनवरी। अयोध्या में हुए आज श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक पल में महासमुंद नगरवासी गवाही बने। स्थानीय विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा सपत्नीक भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना कर जिले वासियों की सुख समृद्धि की कामना की।आज स्थानीय कचहरी चौक के हनुमान मंदिर में पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा सहित कलेक्टर श्री प्रभात मलिक, एसपी श्री राजेश कुकरेजा, वनमंडलाधिकारी श्री पंकज राजपूत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं शहर के श्रद्धालु गण बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर जिले के उत्कृष्ट 5 रामायण मंडलियों द्वारा भक्तिमय राम भजन की प्रस्तुति की गई। प्रस्तुति के पश्चात विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा द्वारा शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। जिसमें श्रोतागण राम भक्ति में झूमते नजर आए। अयोध्या में हुए श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के लाइव प्रसारण को देखने सभी अतिथिगण एवं नागरिकगण शामिल हुए।

धान खरीदी केन्द्र लिटिया के कम्प्यूटर ऑपरेटर को किया दायित्व से पृथक

दुर्ग 22 जनवरी । तहसीलदार बोरी द्वारा विगत दिवस सेवा सहकारी समिति मर्या. लिटिया पंजीयन क्रमांक 2511 के उपार्जन केन्द्र लिटिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान धान टोकन जारी करते समय शासन द्वारा निर्देशों का युक्तियुक्त पालन किया जाना नहीं पाया गया। जिला सहकारी केन्द्री बैंक मर्या. दुर्ग के बोरी शाखा के पर्यवेक्षक ने शिकायत को गंभिरता से लेते हुए, धान खरीदी केन्द्र लिटिया में नियुक्त कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री अरवेन्द्र कुमार साहू को कर्तव्यों की उचित निर्वहन नही करने के कारण धान खरीदी विपणन वर्ष 2023-24 हेतु तत्काल प्रभाव से कम्प्यूटर ऑपरेटर के दायित्व से पृथक कर दिया है। साथ ही केन्द्र में धान खरीदी कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए सेवा सहकारी कम्प्यूटर ऑपरेटर का दायित्व सौंपा है।

29 जनवरी को ग्राम जंगलेसर का मंडई मेला

राजनांदगांव। समीपस्थ ग्राम जंगलेसर में 29 जनवरी को मड़ई मेला का आयोजन रखा गया है एवं रात्रि में मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम धरती के सिंगार-भोधीपार कला का आयोजन रखा गया है । समस्त युवा मण्डल एवं समस्त ग्रामवासी जंगलेसर ने क्षेत्र वासियों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह किया है।

26 जनवरी से 3 फरवरी तक श्रीमद भागवत यज्ञ का आयोजन ग्राम जंगलेसर में

राजनांदगांव। समीपस्थ गम जंगलेसर में 26 जनवरी से 03 फरवरी 2024 तक श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचक श्री राजेश शर्मा रंनचिरई (जामगांव) जिला (बालोद) का होगे। आयोजन समस्त महिला समूह ग्राम-जंगलेसर द्वारा किया जा रहा है। अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने जीवन को सफल बनाये।

कैरियर गाईडेंस एवं फाइनेंशियल मैनेजमेंट विषय परकॉमर्स के छात्रों के लिए एस.एन.जी. विद्यालय ऑडिटोरियम में

दुर्ग, 22 जनवरी । कैरियर गाईडेंस एवं फाइनेंशियल मैनेजमेंट विषय पर कॉमर्स के छात्रों के लिए एस.एन.जी. विद्यालय ऑडिटोरियम में 19 जनवरी को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में ज़िला प्रशासन दुर्ग और ज़िला शिक्षा अधिकारी द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा छात्रों का कैरियर ऑपशन के बारे में भी बताया गया। साथ ही वित्तीय प्रबंधन से संबंधी जानकारी दी गई। छात्र द्वारा अपने कैरियर चुनाव में आने वाले समस्या से संबंधी अनेक प्रश्न पूछे गए, जिसकी जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई। कैरियर मार्गदर्शन में ऐसी सेवाएँ शामिल होती हैं जो लोगों को अपने कैरियर विकास को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने में मदद करती हैं और मानव विकास का पहलू एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एक व्यक्तिगत कार्य पहचान उभरती है, यह आपकी प्रकृति के अनुसार अपने आप घटित होगी, आप इसके माध्यम से नेविगेट करते समय सहायता प्राप्त करने से लाभान्वित हो सकते हैं। प्रक्रिया जो कभी-कभी काफी भ्रमित करने वाली हो सकती है। व्यवसाय विषय का चुनाव करके बच्चा काफी सारे क्षेत्र में अपने आप को सीए, सीएमए, सीएस की तरह प्राप्त कर सकते हैं।

एक नजर

रायपुर स्मार्ट सिटी का हाई टेक कमांड सेंटर दक्ष हुआ राममय

रायपुर 22 जनवरी। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर को ऐतिहासिक पल बनाते हुए रायपुर स्मार्ट सिटी लि. की एकीकृत यातायात प्रबंधन की हाई टेक प्रणाली दक्ष से जुड़े टीवी स्क्रीन और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम से भगवान राम के भजन और राम धुन का प्रसारण शुरू हो गया है रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा आई टी एम एस के कमांड सेंटर से जुड़े 16 वी एमएस स्क्रीन ,20 बिलबोर्ड्स और 44 पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम पर यह प्रसारण किया जा रहा है । इसके अलावा शहर के भीतर विज्ञापन हेतु लगे बड़े एल ई डी स्क्रीन पर भी जगह जगह प्रसारण की व्यवस्था कर इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाया जा रहा है ।

महापौर सिंगदई में आयोजित गुहा निषाद जयंती में हुए शामिल

राजनांदगांव 21 जनवरी। गुहा निषाद जयंती के अवसर पर सिंगदई में महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जयंती में कलश यात्रा निकाली गयी जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक लोगों के साथ महापौर कलश यात्रा में शामिल होकर जयंती की बधाई दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा भगवान राम के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने महापौर का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये महापौर श्रीमती देशमुख ने कहा कि निषाद जयंती के अवसर पर सिंगदई में समाज द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग के लोगों ने उत्साह से भाग लिया है। इससे समाज में एकता की भावना देखनें को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भक्त गुहा निषाद भगवान राम के सच्चे भक्त थे। वे अपने आप को भगवान राम की भक्ति में लीन कर लिये थे। आप सभी समाज के लोग भक्त निषाद के राम भक्ति को आत्मसात कर आपस में मिल जूल कर रहे और समाज हित में कार्य कर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर समाज का नाम रोशन करे। कार्यक्रम में निषाद समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

डोंगरगांव पुलिस को लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने मे मिली सफलता

डोंगरगांव 22 जनवरी। 21 जनवरी को पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश

एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा पुलिस अनु0 अधि0 डोंगरगांव, दिलीप सिंह सिसोदिया राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व मे पैसा लेकर लौटाने से इंकार कर फरार रहने से माननीय न्यायालय के द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था , जिसे आज दिनांक 21.01.2024 को स्थायी वारंटी आरोपी ओमप्रकाश देवांगन उम्र- 43 साल पता- दुर्गा चोंक टंकी मडौदा, जिला दुर्ग , छ0ग0, को न्यायालय राजनांदगांव के प्रकरण 2201/15 धारा- 138 एनआई एक्ट टीकम लाल विरूद्ध आरोपी ओमप्रकाश देवांगन ,द्वारा न्यायालय उपस्थित नही होने पर थाना डोंगरगांव पुलिस टीम के द्वारा लगातार आरोपी के सकुनत व अन्य स्थानों पर पता तलाश किया पता चलने पर गिर0 कर माननीय न्यायालय पेश किया है । गिर0 मे थाना डोंगरगांव पुलिस टीम का भुमिका सराहनीय रहा ।

निधन

चंदा देवी तिवारी

रायपुर। वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट महादेव तिवारी की माता जी श्रीमती चंदा देवी तिवारी (97 वर्ष) का

दिनांक 21 जनवरी को रात्रि 10:30 बजे निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 22 जनवरी को गृह ग्राम देवरी बंजारी जिला- कबीरधाम में किया जाएगा। वे लालजी, छेदीलाल तिवारी, भोला प्रसाद, महादेव तिवारी व सहदेव की माता थी। रायपुर प्रेस क्लब परिवार ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सुबह हो या शाम... इनके जीवन में है बस राम-राम-राम

कमल ज्योति

रायपुर, 22 जनवरी। सुबह का सूरज आज बादलो में कही गुम था...रात बारिश हुई थी और भीगी-भीगी मौसम के बीच हजारों लोगों का हुजूम जिस ओर आकर्षित हो रही थीं... वह शायद उनकी श्रद्धा और विश्वास ही था...जो इस धरती के ऐसे राम को देखने आए जा रहे थे... जो किसी मंदिर में नहीं... अपितु इनके जीवन में सदैव समाहित है। बेशक यह रामनामी है और न सिर्फ इनका चोला..शरीर का हर हिस्सा राम...राम...राम...के अक्षरों से नस-नस में विद्यमान है।

शरीर पर श्वेत परिधानों के साथ मोह, माया, लोभ, काम, क्रोध और व्यसनों को त्याग कर सबको भाई-चारे के साथ बिना किसी भेदभाव के शांतिपूर्ण तरीके से जीवनयापन का संदेश भी देते हैं। छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले सक्ती के जैजैपुर विकासखंड में रामनामी समुदाय का तीन दिवसीय बड़े भजन का मेला नई पीढ़ी और पहली बार देखने वालों के लिए जहाँ कौतूहल का केंद्र बना है, वहीं इसके विषय में पहले से जानने और समझने वालों के लिए यह सम्मान और गौरव से कम नहीं...। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से राममय हुए माहौल के बीच रामनामी समुदाय का बड़े भजन का यह मेला भी सद्भावना और मानवता का संदेश दे रहा है।

अपने राम के प्रति अगाध,अथाह प्रेम और अटूट आस्था की यह गाथा हकीकत में कही विराजमान है तो वह छत्तीसगढ़ के रामनामी समुदाय ही हैं। भगवान राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में रामनामी समुदाय का पादुर्भाव कई उपेक्षाओं, तिरस्कारो और संघर्षों की दास्तान है, जो 160 वर्ष से अधिक समय पहले अपनी आस्था पर पहुँची चोट के साथ इस रूप में जन्मी कि आने वाले काल में इन्हें अपनाने और मानने वालों की संख्या बढ़ती चली गई। वह दौर भी आया जब रामनामी समुदाय अपनी तपस्या और सादगी को अपनी उपासना के बलबूते साबित करने में सफल हुए।

इनका मानना है कि उनका राम तो हर जगह मौजूद है, वे अपने राम को कही ढूंढते भी नहीं.. न ही अपने शरीर पर राम... राम लिखवाने से परहेज करते हैं। रामनामी समाज के गुलाराम रामनामी बताते हैं कि उनका यह आयोजन सन 1910 से होता आ रहा है। जैजैपुर का आयोजन 115वां वर्ष है। साल में एक बार यह आयोजन बड़े भजन मेला के रूप में निरंतर किया जाता है। उन्होंने बताया कि रामनामी को कोई भी समाज और धर्म के लोग अपना सकते हैं,लेकिन उन्हें सदाचारी, शाकाहारी और नशे आदि से दूर रहते हुए मानवता के प्रति प्रेम को अपनाना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि रामनामी अपने शरीर पर राम...राम लिखवाने के साथ ही कभी सिर पर केश नहीं रखते, महिला हाथों में चूड़ी या गले में माला भी नहीं पहनती। शरीर पर राम ही राम धारण होता है और यह प्राण त्यागने के पश्चात भी मिट्टी में दफन होते तक आत्मसात रहता है।

82 साल के रामनामी तिहारु राम ने बताया कि उनकी पत्नी फिरतीन बाई और उन्होंने चार दशक पहले ही राम को अपने जीवन और शरीर में आत्मसात किया है। एक साल पहले वे अयोध्या भी गए थे।

पीईटीए इंडिया और वीगनस ऑफ छत्तीसगढ़ खून से लथपथ महिला को थाली में परोसकर लोगों को वीगन बनने प्रेरित करेंगे

रायपुर 22 जनवरी। पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स द्धएइंडिया और ष्वीगनस ऑफ छत्तीसगढ़ष् की एक समर्थक विशाल प्लेट पर सब्जियों और चाकू के बीच खून से लथपथ नज़र आएंगी और इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य जनता को एक प्रतीकात्मक उदहारण देकर यह समझाना है कि कोई भी सजीव प्राणी खुद को दूसरों की प्लेट में भोजन के रूप में नहीं देखना चाहता है।पीईटीए इंडिया की मैनेजर ऑफवीगन प्रोजेक्ट्स डॉण् किरण आहूजा ने कहाए श्सभी जानवर आपकी और मेरी तरह पीड़ा से मुक्त रहना चाहते हैं। जानवरों को दयनीय जीवन और भयानक मौत से बचाने का सबसे अच्छा तरीका स्वस्थ औरस्वादिष्ट वीगन भोजनशैली का चुनाव करना है।पीईटीए इंडिया जो इस सिद्धांत में विश्वास रखता है कि श्जानवर हमारा भोजन बनने के लिए नहीं हैंश् उल्लेखित करता है कि भोजन हेतु मौत के घाट उतारे जाने वाले पशुओं को अत्यंत पीड़ा का सामना करना पड़ता है जैसा कि श्ळसें ेसेश् नामक बेहद चर्चित वीडियो में देखा जा सकता है जिसमें डेयरी उद्योग

की वास्तविक क्रूरता का पर्दाफाश किया गया है। फ़ैक्टरी फ़ार्मों पर मुर्गियों को हज़ारों की संख्या में भीड़.भाड़ वाले शेडों में पैक किया जाता हैए जहां उन्हें जमा कचरे के बीच अमोनिया की दुर्गंध में जबरन खड़ा होने के लिए बाध्य किया जाता है। उन्हें हर उस चीज़ से वंचित कर दिया जाता है जो उनके लिए प्राकृतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भोजन के लिए मारी जाने वाली मुर्गियों और अन्य जानवरों को वाहनों में भरकर इतनी अधिक संख्या में बूचड़खानों में ले जाया जाता है कि कई जानवरों की हड्डियाँ टूट जाती हैंए दम घुट जाता हैए या रास्ते में ही मृत्यु हो जाती हैं। बूचड़खानों में मजदूर अक्सर बकरियोंए भेड़ों और अन्य जानवरों का गला कम धार वाले ब्लेडों से काट देते हैं। साथ हीए मछली पकड़ने वाली नौकाओं के डेक पर जीवित रहते हुए भी मछलियाँ का गला चीर दिया जाता हैं।वीगन जीवनशैली अपनाने वाला हर व्यक्तिए प्रति वर्ष लगभग 200 जानवरों को अत्यधिक पीड़ा और भयानक मृत्यु से बचाता है। इसके अलावाए भोजन के लिए जानवरों को पालना जल प्रदूषण और भूमि क्षरण का एक प्रमुख कारण हैए और 2010 की संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से निपटने के लिए वीगन भोजन की ओर वैश्विक बदलाव आवश्यक है।पीईटीए इंडिया प्रजातिवाद का विरोध करता है। प्रजातिवादएक ऐसी धारणा है जिसके तहत इंसान स्वयं को इस संसार में सर्वोपरि मानकर अन्य प्रजातियोंका शोषण करना अपना अधिकार समझता है।

समाचार संक्षेप

भक्त ने बनाई श्रीराम की रंगोली

रायपुर 22 जनवरी। भले ही कई राम भक्त प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या न जा पाए हों किन्तु इन भक्तों ने अपने-अपने स्थानों से प्रभु श्रीराम का अभिनंदन किया है। आखिर भगवान राम सर्वत्र जो व्याप्त है। रामलला के स्वागत में तेलीबांधा में बी-301, मेट्रो हाइट निवासी सुषमा जैन ने भगवानराम की बेहद खूबसूरत एवं भव्य रंगोली बनाई है। ऐसा लग रहा है मानो दशरथनंदन राम बोल उठेंगे। गृहिणी सुषमा जैन ने इस जीवंत रंगोली को सात घंटों की मेहनत से प्लाईवुड में बनाया है। रघुनंदन को रंगोली के जरिए चित्रित करने में सुषमा ने बारिक से बारिक कलाकारी का ध्यान रखा है। रंगों का गजब का संयोजन है। सुषमा कहती हैं कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि मेरे नयनों ने प्राण प्रतिष्ठा का दर्शन किया है। प्रभु की प्रेरणा से ही यह रंगोली बन पाई है।

रात्रिकालीन कब्बड्डी प्रतियोगिता में आलबरस प्रथम

राजनांदगांव 22 जनवरी। समीपस्थल ग्राम धामनसरा में एक दिवसीय रात्रिकालीन कब्बड्डी प्रतियोगिता शुभारंभ मुख्य अतिथि पुरोषत्म धुव प्रभारी पुलिस चौकी सुरगी अध्यक्षता रोशनी वैष्णव क्षेत्रीय जनपद सदस्य विशेष अतिथि योगेन्द्र दास वैष्णव महामंत्री जिला किसान कांग्रेस लोकेश गंगवीर सरपंच बिसे पटेल वरिष्ठ नागरिक अग्रेश्वर पटेल के अतिथि में बजरंग बली पुजा अर्चना कर खिलाड़ियों परिचय प्राप्त कर शुभारंभ किया समापन समारोह मुख्य अतिथि योगेन्द्र दास वैष्णव महामंत्री जिला किसान कांग्रेस राजनांदगांव अध्यक्षता लोकेश गंगवीर सरपंच विशेष अतिथि रामचंद्र चंदाकर पुरूस्कार वितरण किया आलबरस दुर्ग प्रथम भोडिया राजनांदगांव द्वितीय देवरी बालोद तृतीय नया ढाबा राजनांदगांव चतुर्थ बेस्ट आलराउंडर प्रदीप कुमार ठाकुर आलबरस बेस्ट रेडडर ओमेशवर देवरी बेस्ट कैचर गोपु आलबरस बेस्ट ब्लाकर चमन पारकर आलबरस बेस्ट दर्शक चंचल उसके भोडिया रहा निर्णयक माधो उइके अग्रेश्वर पटेल हरिचंद निषाद प्रेम पटेल आयोजक समिति अध्यक्ष डेविड यादव संरक्षक डामन वैष्णव सदस्य सूर्य दास वैष्णव केतन पटेल महेश पटेल रेख राम पटेल चमेश पवार अक्षय वर्मा सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहा।

क्लेम की राशि ना देने पर जाना पड़ेगा जेल

राजनांदगांव 22 जनवरी। थाना डोंगरगांव ङ्क दिनांक 21.01.2024 को पुलिस अधीक्षक राजनादगांव श्री मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा तथा पुलिस अनु अधि डोंगरगाव श्री दिलीप सिंह सिसोदिया राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व मे माननीय न्याया0द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट जिसमे माननीय न्यायालय प्रथम अपर मोटर दुर्घटना दावाधिकरण , राज0,छ0ग0, के समक्ष पीडितो ने दावा पेश किया था , दावा मे आरोपी को दुर्घटना के पीडित को क्षतिपुर्ति के रूप मे आदेशित रकम 5,91,188/- रूपये को देने हेतु पेशी दिनांक तय किया गया था, जिसे आरोपी मुकेश ठाकुर पिता पवन ठाकुर , उम्र- 24 साल, पता- साकिन रूदगांव, थाना डोंगरगांव, जिला राज0 के द्वारा क्षतिपुर्ति रकम ना देने के नियत से पेशी से अनुपस्थि रहा जिसे , मान0 न्यायालय के परिपालन मे आरोपी को आज दिनांक 21.01.202 को गिर0 कर न्यायालय पेश किया गया है ।

वामपंथी उग्रवाद की समस्या अब छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों तक ही सीमित है: शाह

रायपुर 22 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने रविवार को रायपुर में छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा , केंद्रीय गृह सचिव, राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, आसूचना ब्यूरो (द्धक्च) के निदेशक और ष्क्रक्कक्स के महानिदेशक सहित कई अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन आंतरिक सुरक्षा स्थितियों- जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद-में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है और इनमें हिंसा में लगभग 75त्न की कमी आई है। इनके प्रभाव वाले भौगोलिक क्षेत्र में भी लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (स्नस्क्क) अब उत्तरपूर्व के लगभग 80त्न क्षेत्रों से हटा लिया गया है। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में हुई प्रगति की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित भौगोलिक क्षेत्रों और हिंसा दोनों में उल्लेखनीय कमी आई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों और सभी केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों के कारण वामपंथी उग्रवाद की समस्या अनिवार्य रूप से अब छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों तक ही सीमित है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों को अगले तीन वर्षों के भीतर माओवादी खतरे से मुक्त करने की जरूरत है। गृह मंत्री ने खासकर वामपंथी उग्रवाद को बनाए रखने में सहायक पूरे तंत्र को टारगेट करने को लेकर सभी संबंधित हितधारकों द्वारा एक विस्तृत रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य पुलिस को शेष सुरक्षा कमियों को दूर करने, व्यापक जांच सुनिश्चित करने, अभियोजन की बारीकी से निगरानी करने, फंडिंग के रास्तों को बंद करने और खुफिया नेतृत्व वाले ऑपरेशन जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मल्टी-एजेंसी सेंटर के माध्यम से साझा किए गए सभी इनपुट की समीक्षा करने और सत्यापित इनपुट को संचालित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की सम्पूर्ण कवरेज की आवश्यकता पर बल दिया और इसके लिए सुरक्षा बलों के कैंपों का उपयोग करने को कहा ताकि नजदीक के गांवों में इन योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने उल्लेख किया कि गृह मंत्रालय को छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद से अत्यधिक प्रभावित जिलों में धन के आवंटन और इसके उपयोग दोनों मामलों में लचीला होना चाहिए।

व्यापारिक प्रतिष्ठान के आसपास गंदगी रही तो मालिक पर लगेगा जुर्माना

रायपुर 22 जनवरी। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में स्वच्छता अभियान में जुटी नगर निगम की टीम को आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा है कि सभी राष्ट्रीय राजमार्गो और लोक निर्माण की सड़कों की सफाई पर भी विशेष ध्यान दें । उन्होंने यह भी कहा है है कि शहर को साफ रखने की सामूहिक जिम्मेदारी में आम नागरिकों की सहभागिता बढ़ाई जाये।।अब किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान या परिसर में गंदगी मिली तो मालिकों को जुर्माना देना होगा । साफ सफाई गतिविधियों का सुबह निरीक्षण पर निकले श्री मिश्रा ने कहा है कि सड़कें और उसपर बनी नालियां साफ रखी जाए । व्यापारिक परिसरों के औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने जोन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर को साफ रखने की हर गतिविधि में जनभागीदारी बढ़ाएँ। उन्होंने कहा है कि जिन व्यापारिक परिसरों में गंदगी पाई जाएगी वहाँ अब उनकी भी ज़िम्मेदारी तय कर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी ।निरीक्षण भ्रमण के दौरान निगम के जोन कमिश्नर भी साथ थे ।

यातायात रथ से यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 22 जनवरी। 34वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के सातवे दिन पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा एवं उप पुलिस अधीक्षक, यातायात श्री हेमप्रकाश नायक के मार्गदर्शन में यातायात विभाग के प्र.आर. अनुरंजन बारा द्वारा जिले के ग्राम अर्जुनी बाजार, डोंगरगांव, कुमर्दा, खुज्जी, रामपुर, सिंगारपुर, घोरदा क्षेत्रों में यातायात सड़क सुरक्षा संबंधी संगीत से सुसज्जित यातायात रथ फ्लैक्स के माध्यम से पाम्पलेट वितरण कर आम लोगो को यातायात नियमों का पालन करने लगातार अपील की जा रही है। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

साथ ही राजनांदगांव यातायात पुलिस की आम लोगो से अपील है कि आप अपने परिवार एवं स्वयं के सुरक्षा के लिए बिना हेलमेट दुपहिया वाहन न चलायें, दुपहिया वाहन में तीन सवारी न चले, वाहन चलाते समय मोबाईल मे बात न करे, तेज गति से वाहन न चलाये, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगायें। नशे के हालात में कभी भी वाहन न चलाये, नियंत्रित गति में वाहन चलायें, सम्पूर्ण यातायात नियमों का पालन करें। यातायात रथ एवं अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से यातायात जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा।

सीईओ को हटाने सचिव संघ की बेमुद्दत हड़ताल का पंचायत के कामकाज में दिख रहा है असर

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 22 जनवरी। जनपद पंचायत नगरी के प्रभारी सीईओ के दुर्व्यवहार से आहत सचिव संघ ने विगत दिनों जिला पंचायत के सीईओ एवं कलेक्टर से नगरी सीईओ को हटाने की मांग किया गया था, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर, सचिव संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है, हड़ताली सचिवों का कहना है कि उक्त अधिकारी के मनमानी और तानाशाही व्यवहार से काम करना मुश्किल हो गया है, उन्होंने बताया कि शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के साथ अच्छा माहौल रहेगा तभी काम कर पाएंगे। सीईओ पर कार्यवाही नहीं होने से सचिव संघ दो दिन से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। जल्द ही सीईओ को नहीं हटाया गया तो आंदोलन का विस्तार किया जाएगा। बता दें कि जनपद नगरी के सीईओ पर आरोप है कि उनके द्वारा सचिवों के साथ ठीक बर्ताव नहीं किया जाता। विकसित भारत संकल्प पात्रा के दौरान कई सचिवों को ग्रामीणों के सामने अपशब्द कहे गये है। बार- बार की प्रताड़ना से तंग आकर आंदोलन का रास्ता चुना है। 17 जनवरी को कलेक्ट्रेट में आवेदन देकर सीईओ को हटाने की मांग की गई थी, लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई इसलिए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है। ब्लॉक सचिव संघ के अध्यक्ष अनीत ध्रुव का कहना है कि शासन की योजनाओं को गाँव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के काम में सचिवों की अहम भूमिका होती है। सीईओ के द्वारा बार-बार अपमानित किये जाने के कारण सचिव दहशत में है, जिसका सीधा असर कार्यक्षमता पर पड़ रहा है। सीईओ को हटाने पर

समस्त सचिव नई सरकार के प्रभावी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के साथ पंचायत के कार्य को बेहतर ढंग से कर पाएंगे। शनिवार, रविवार को धरना दिया गया पर छुट्टी का दिन होने से कामकाज पर असर नहीं पड़ा, चूंकि सचिवों का आंदोलन अनिश्चितकालीन है, सोमवार से हड़ताल के चलते पंचायतों में कामकाज ठप हो जाएगा। इधर सीईओ के संबंध में बताया गया है कि शासन स्तर पर उनका दो बार स्थानांतरण हो गया है। दोनों ही बार उन्होंने हाईकोर्ट से स्टे लाकर अपना तबादला रुकवा लिया। इस पर नगरी ब्लॉक पंचायत सचिय संघ का कहना है कि स्टे निरस्त होने की जानकारी मिली है। वही स्टे तबादला आदेश को लेकर मिला था, इसमें उन्हें ही सीईओ का प्रभार दिये जाने को बाध्यता नहीं थी इसलिए सीईओ को दूसरी जगह अटैच कर नगरी जनपद का प्रभार दूसरे सीईओ को सौंपा जाना चाहिए।

प्रथम पेज का शेष

प्रभु श्रीराम का गृह प्रवेश

गर्वित है कि हमारे राम के पैर यहां पड़े थे। वनवास का एक बड़ा हिस्सा उन्होंने यहां व्यतीत किया। वनवास के दौरान न जाने कितने ही दानव, मायावी लोग व दुष्ट आत्माओं से जानकीनाथ का सामना हुआ। प्रभु ने सबको मुक्ति दी। त्रेता में रावण और द्वारका में कंस का वध किया। कलयुग भी राक्षसी प्रवृत्ति जैसे लोगों से अछूता नहीं है। कोई कर्मों से दानव है तो कोई विचारों से। अति का अंत तो होता ही है। अंत करने किसी न किसी रूप में भगवान अवतार तो लेंगे ही। यही तो प्रकृति का नियम है। आइए प्रभु श्रीराम का शुद्ध मन से अभिनंदन करें। वैसे तो सारा ब्रम्हांड प्रभु का निवास है। वे कण-कण में और हर जीव में वास करते हैं। फिर भी अयोध्या में उनका नए प्रासाद में निवास कर भक्तों को दर्शन देना पुलकित करने वाला अवसर है। भगवान के प्राण हर व्यक्ति के हृदय में बसते हैं और जब सारा संसार भगवान राम की प्रतिमा के स्थापित होने को लेकर उत्साहित है तब ऐसे में आखिर किसे प्राण प्रतिष्ठा में विधिविधान का ख्याल रहेगा। फिर लोगों की अटूट आस्था और अगाध प्रेम के वशीभूत तो भगवान स्वयं मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठित हो जाएंगे। विधिविधान तो खुद की संतुष्टि के लिए होते हैं। इस अवसर को देखने आंखें तरस गई थी। भगवान तो प्रेम के भूखे हैं। यह प्रेम ही तो है जिसने तरुण छत्तीसगढ़ को थामें रखा है। पाठकों के प्यार के कारण ही तरुण छत्तीसगढ़ की अखबारी यात्रा 30 मार्च सन् 1985 से अनवरत जारी है। कठिन समय में भी न थका न हारा। यह प्रेम की ही ताकत है कि अयोध्या में भगवान राम के प्राकट्य के साथ ही कलयुग में नए त्रेतायुग का श्रीगणेश हुआ है। वास्तव में यह नया युग आने का शगुन है। पूरी दुनिया में नया समय आएगा और इसके केंद्र में होगा भारत देश। इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर भी जो उंगली उठाएगा या इस समारोह का हिस्सा नहीं बनेगा वह अभागा ही कहलाएगा। भगवान राम आ रहे हैं तो क्या उनके स्वागत के लिए किसी आमंत्रण की जरूरत है? बिलकुल भी नहीं। प्रभु जब श्रीलंका से अयोध्या लौटे थे। तब हजारों-लाखों की संख्या में उनके स्वागत में उमड़ी भीड़ को क्या आमंत्रण भेजा गया था। कतई नहीं। भक्त की भक्ति के आगे तो ईश्वर भी झुक जाते हैं। याद है न सुदामा के स्वागत के लिए भगवान श्रीकृष्ण नंगे पांव दौड़ आए थे। यह भी स्मरण होना चाहिए कि सोमनाथ में अधूरे मंदिर में ही भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। चलिए जाने दीजिए। आपत्ति-विरोध ये सब भी कलयुग का ही चरित्र है। आइए प्रभु श्रीराम का शुद्ध मन से अभिनंदन करें।

जय रघुनंदन,जय सियाराम

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं....

राजनीति हुई है। मोदी ने उन तमाम दलों पर निशाना साधा जो अब तक राम मंदिर के निर्माण का विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर रहा हूं कि कालचक्र बदल रहा है। ये सुखद संयोग है कि हमारी पीढ़ी को एक कालजयी पथ के शिल्पकार के रूप में चुना गया है। हजार वर्ष बाद की पीढ़ी राष्ट्रनिर्माण के हमारे आज के कार्यों को याद करेगी। इसलिए मैं कहता हूं - यही समय है, सही समय है। मोदी ने कहा कि हमें आज से, इस पवित्र समय से अगले 1 हजार साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर हम सभी देशवासी इस पल से समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं।

मोदी ने कहा कि ये भव्य राम मंदिर साक्षी बनेगा- भारत के उत्कर्ष का, भारत के उदय का। ये भव्य राम मंदिर साक्षी बनेगा- भव्य भारत के अभ्युदय का, विकसित भारत का। मोदी ने कहा कि यह राम के रूप में राष्ट्रीय चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, राम भारत की नींव हैं। राम भारत का विचार हैं, राम भारत का कानून हैं...राम भारत की प्रतिष्ठा हैं, राम भारत की महिमा हैं...राम नेता हैं और राम नीति हैं. राम शाश्वत हैं...जब राम का सम्मान होता है तो उसका प्रभाव वर्षों या सदियों तक नहीं रहता, उसका प्रभाव हजारों वर्षों तक होता है।

संपादकीय

जन जन को हुई दिव्य आनंद की अनुभूति

सदियों के बाद जिस पल का इंतजार देश के करोडों लोगों को था, वह दिन वह पल आखिर 22 जनवरी को आया। देश के करोडों लोगों ने एक साथ राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम मोदी के साथ टीवी,डिजिटल व सोशल मीडिया के जरिए शामिल हुए। पीएम मोदी ने कहा था कि वह जब राम लला की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा समारोह मे शामिल होंगे तो उनके साथ देश के 140 करोड़ लोग होंगे। ऐसा ही हुआ है। विदेश से जुड़े लोगों की संख्या मिला दी जाए तो यह संख्या 140 करोड़ से कहीं ज्यादा होती है। दुनियां के किसी भी उत्सव में आज तक एक साथ इतने लोग इस तरह शामिल नहीं हुए होंगे। राम लला की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठि उत्सव विश्व का सबसे बड़ा उत्सब है, इस उत्सव में जितने लोग शामिल हुए हैं सभी की एक ही अनुभूति है कि यह अवसर दिव्य आनंद की अनुभूति रहा। करोटों लोगों ने श्री राम लला के अुपमम श्री मुख का दर्शन किया और ऐसी अनुभूति उनको हुई जैसी अनुभूति अब शायद ही कभी हो। पीएम मोदी को प्राण प्रतिष्ठा उत्सव में शामिल न होने देने के लिए कुछ लोगों ने कई तरह के उपाय किए लेकिन वह सफल नहीं हुए। राम लला ने इस मौके के लिए पीएम मोदी को चुना था, इसलिए उन्हें इस उत्सव में शामिल होने से कोई रोक नहीं सका। यह सजियों में होने वाला एक उत्वस था, जो लोघ इसमें शामिल हुए है, वह सब सौभाग्यशाली हैं। सबने जरूर कोई पुण्य किया तब ही उन्हें राम लला को भव्य मंदिर में विराजते देखने का मौका मिला है। आज देश के करो़ड़ो लोग राम लला का मंदिर में विराजे हुए देखकर अपने आपको धन्य महसूस किया। इस देश में शायद ही कोई ऐसा होगा जिसमें राम लला का श्रीमुख देखकर यह न कहा हो कि दिव्य आनंद व दिव्य अनुभूति। वाकई में बरसों के बाद जब भगवान के दर्शन होते हैं तो भक्तों की जो हालत होती है, सोमवार को करोड़ों रामभक्तों की वैसी ही हालत थी। आंखों में आनंद के आंसू थे। जिन लोगों ने राम लला को टेंट में देखा था उन लोगों को राम लला को नव्य,दिव्य व भव्य मंदिर में रत्न जड़ित सिंहासं, स्वर्णजड़ित गर्भगृह में सोने व हीरे जवनाहरात के सजे हुए देखा तो उनकी खुशा का पारावार नहीं रहा। आज का दिन उनके लिए ऐतिहासिक दिन था और राम लला का दर्शन अलौकिक अनुभव। ऐसा अनुभव मनुष्य को सदियों में एक बार होता है। भारत व विश्व के कई देशों से जब भी कोई इस उत्वस के बारे में पूछेगा व और वह किसी को बताएंगे तो अपने अनुभव को बताने के लिए उनके पास शब्द नहीं होगे क्योंकि इस सदियों के बाद हुए अनुभव को शबद् में बताया नहीं जा सकता। इसे महसूस किया जा सकता था जिन लोगों ने महसूल किया वह धन्य हैं जो लोग इस अनुभव से वंचित रह गए वह अभागे ही माने जाएंगे। पूरे देश सहित विश्व के कई देशों राम लला को लेकर जो आस्था व भक्ति की लहर थी, वह इतनी प्रबळ थी, उसमें बह जाने का अपना ही आनंद है, इस आनंद को वह ी महसूल कर सकते हैं जो इसमें बह गए, इसमें पूरी तरह रंग गए। सारा देश भगवा, सारा देश अयोध्या इसीलिए तो बन गया था कि जन जन राम लला की भक्ति में डूब गया था. ऐसा आयोजन किसी मनुष्य के बस की बात नहीं है। ऐसा आयोजन तो तब ही होता है जब ईश्वर चाहते हैं। रामलला ने चाहा कि पांच सौ वषों के बाद ऐसा आयोजन हो तो ऐसा आयोजन हो रहा है जिसमें करोडों लोगों की भागीदार बने। इस आयोजन जो लोग राजनीतिक आयोजन समझे, उनकी बुध्दि पर तसर आता है। राजनीतिक आयोजन होता तो इस आयोजन से करोडों लोग नहीं जुड़ते, यह राजीनीनित नहीं ऐतिहासिक आयोजन था इसलिए इससे करोडो लोग जुड़े और इसे ऐसा आयोजन बना दिया कि इसे दुनिया सदियों याद रखेगी। इस दिन शाम को ऐसी दिवाली मनाई गई जैसी दिवाली देश में कभी मनाई नहीं गई। 22 जनवरी की शाम देश का शायद ही कोई राज्य ऐसा रहा होगा जहां दिए नहीं जलें होंगे। राम लला के प्राण प्रतिषठा पर मनाई गई दिवाली में भारत व विश्व में सबसे ज्यादा दीप जलाए गे। यह अवसर तो ऐतिहासिक था लेकिन इसे करोडों लोंगों अपनी आस्था व भक्ति से और ऐतिहासिक बना दिया।

रामलाल प्राण प्रतिष्ठा समारोह,नया इतिहास लिखेगी राम दिवाली

विश्लेषण

डॉ सूर्यकांत मिश्रा

22 जनवरी 2024 कूर्म द्वादशी एक ऐसी तिथि बनने जा रही है, जो हिंदुस्तान के मस्तक को गौरवान्वित करने वाली होगी । मुगल साम्राज्य द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम के जन्म स्थल को मस्जिद के आवरण से ढक कर जो कलंक एक-एक हिंदुस्तानी को ललकार रहा था , वह अब पूरी तरह से धोया जा चुका है । 465 वर्षों तक हिंदू धर्मावलंबियों के परम पूज्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम को कैद कर रखने वालों को आखिरकार यह मानना पड़ा कि भगवान श्री राम की जन्मस्थली को सैकड़ो वर्ष पूर्व मुगल शासको ने इतिहास से गायब करने का जो प्रयास किया था , वह हिंदुस्तान के माथे पर एक कलंक से कम नहीं था । सन 1527 में बनाई गई बाबरी मस्जिद के ढांचे को आखिरकार 5 दिसंबर 1992 को धूल-धूसरित कर जनमानस को रामलाल के दर्शन कर दिए गए । यहीं से शुरू हुआ अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प का । सन 2020 में रामलला के मंदिर निर्माण हेतु खुदाई का काम शुरू किया गया । अब मंदिर लगभग बनकर तैयार है । 22 जनवरी 2024 को मंदिर में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन उत्सवी रूप में भारतवर्ष के साथ ही पूरा विश्व देखेगा । इस सदी में और 22 जनवरी 2024 को देश का हर नागरिक इस बात का साक्षी बनेगा कि उनके सांस लेते उन्होंने अपने प्रभु श्री राम के मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा को देखने का शुभ अवसर पाया है । इस अवसर पर जब सरयू तट से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पहली आरती की जाएगी तो यह भव्य नजारा होने के साथ ही देश में एक और दिवाली (श्री राम दिवाली) की घोषणा करता वैश्विक इतिहास लिखेगा ।

पूरा हिंदुस्तान और अखिल विश्व अब तक यह जानता आ रहा है कि कार्तिक मास की अमावश्यास तिथि को भारत वर्ष दीपों का पर्व दीपावली मनाता है । इस पर्व के संदर्भ में हमारे ग्रंथों में अनेक कथानक मिलते हैं । जैन धर्म से लेकर सिख धर्म तथा बौद्ध धर्मावलंबी भी अपने ग्रंथों में आए कथानक के अनुसार दीपावली का पर्व मनाते हैं । यह हजारों वर्ष पूर्व की बात है । हममें से किसी ने भी यह नहीं देखा है कि भगवान श्रीराम 14 वर्ष बाद वनवास से लौटे तब दीपावली मनाई गई। हम इस बात के भी साक्षी नहीं है कि इसी दिन समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी के प्रकट होने से यह पर्व मनाया गया ।भगवान महावीर से लेकर गुरु नानक जी के संदर्भ में भी जितने प्रसंग मिलते हैं उन्हें हम अपने ग्रंथों , शास्त्रों की सच्चाई और वास्तविकता मानकर दीपों के पर्व के रूप में उत्सवी आयोजन से सजाते आ रहे हैं । इस युग में जी रहे हर उम्र वर्ग के लोगों का भाग्य इतना प्रबल कहा जा सकता है कि उन्होंने राम दीवाली की शुरुआत का इतिहास अपने आंखों के सामने आते देखा है । प्रभु श्री राम की जन्मस्थली को कैद से मुक्त करने से लेकर लंबी कानूनी लड़ाई और फिर मंदिर निर्माण के संवैधानिक अधिकार की घोषणा भी हमारे कानों ने सुना है ।

मर्यादा पुरुषोत्तम की जन्मस्थली

अयोध्या नगरी में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुभ घड़ी जैसे-जैसे नजदीक आ रही है पूरा देश अपने आराध्य को स्मरण कर राम मय होता जा रहा है। यह हमारा सौभाग्य है कि हम आने वाली कई पीढियां के लिए अयोध्या नगरी सहित रामलाल के इतिहास को कलमबद्ध कर गौरवान्वित हो सकते हैं । यह वास्तव में एक ऐसी दिवाली का रूप अख्तियार करने वाला अवसर है जो प्रतिवर्ष 22 जनवरी को भगवान श्री राम की पूजा अर्चना के साथ दीपों की रोशनी से जगमग होकर इस बात को प्रगाढ़ करेगा कि अंधेरा सदैव अपना प्रभुत्व नहीं रख सकता है । एक न एक दिन उसे रोशनी के आगे पस्त होकर दम तोड़ना ही पड़ता है ।कार्तिक मास की घनघोर अंधेरी अमावस्या की रात्रि दीपों की रोशनी से जगमग हो उठती है ।अब इसी तरह कलंक रूपी आवरण का नामो निशा मिटाकर सभी के जीवन में उत्साह का संचार करने राम दिवाली हर घर रोशनी बिखरते हुए दुखों की काली छाया का संहार करती दिखेगी । हमारी आंखों के सामने शुरू होने वाली पहली राम दिवाली हर उस शख्स के लिए इतिहास बन जाएगी जो दीपावली का पर्व कार्तिक मास में मनाते हुए सभी के मंगल की कामना करते आ रहे हैं । सनातन धर्म को मानने वाला हर सनातनी इस बात को लेकर उत्सुक है कि वह भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनने जा रहा है । पूरा देश उस क्षण के लिए उतावला नजर आ रहा है , जब वह रामलाल के दर्शन के लिए अयोध्या नगरी में होगा । अयोध्या के विकास कार्य जिस तरह से चल रहे हैं , उससे ऐसा प्रतीत होने लगा है , कि हम नए भारत अर्थात श्री राम के भारत को रचने जा रहे हैं । नया मंदिर , नया विग्रह , नई आभा , नई खुशियां , नई तकनीक , आकर्षक एवं लुभावने रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट के साथ नवनिर्मित घाट , नई अयोध्या का नया अध्याय लिखते प्रतीत हो रहे हैं । भगवान श्री राम की नगरी में पहुंचने वाले हर प्राणी को भगवान श्री राम का साक्षात आभास कराने उनसे जुड़े प्रतीक और रामायण काल की घटनाओं के प्रतीक चिन्हों से सजाया- संवारा जा रहा है । कहा जा सकता है कि एक ओर जहां मर्यादा पुरुषोत्तम के 14 वर्षों के वनवास से लौटने पर दीपोत्सव मनाया जाता रहा है , वहीं दूसरी ओर 500 वर्षों के बाद भारत वर्ष की स्वतंत्रता की अमृत बेला में कण - कण में विराजमान मर्यादा पुरुषोत्तम अपनी जन्मस्थली लौटेंगे । हमारा देश दुनिया का सबसे विशाल देश है । यही कारण है कि सभी राम भक्तों को एक ही दिन अयोध्या नहीं बुलाया जा सकता है । हमारे देश के संरक्षक विश्व हिंदू परिषद ने पूरे देश को 45 भागों में रामलला के दर्शन के उद्देश्य से बांटते हुए 27 जनवरी से 22 फरवरी तक अयोध्या पहुंचने का आवाहन किया है ।

भारत वर्ष के महान संत समाज के नेतृत्व

में हिंदू धर्मावलंबियों के अटूट संघर्ष के बाद अयोध्या में निर्मित रामलाल का भव्य मंदिर पूरी दुनिया को आध्यात्मिक रूप से आलोकित करने आतुर है । हमें यह प्रण लेना होगा कि संघर्षों के बाद मिले गौरवशाली अवसर को हम उत्सवों से सजा दें । अपने घरों में दीपों का प्रकाश कर 22 जनवरी 2024 से प्रतिवर्ष राम दीपावली मनाते हुए राम भजन को गुंजायमान करें । हम जिस तरह परंपरागत रूप से दीपावली के पर्व पर नए कपड़े , मिठाइयां , पटाखे आदि लाते हैं , घरों को रंगीन बल्बों से सजाते हैं , मां लक्ष्मी की पूजा के उपरांत आस - पड़ोस में बधाई के साथ प्रसाद वितरित करते हैं । ठीक उसी तरह देश में राम दिवाली का आयोजन भी पूरे उत्साह के साथ करना है । फुलझड़ियों से झड़ते सितारे इस बात के साक्षी होंगे कि उन्हें दोबारा भगवान श्री राम के चरणों में झुकने का अवसर मिला है । आतिशबाजी रूपी अनार के दाने उछल-उछल कर जय श्री राम ...जय जय राम ...कहते प्रतीत होंगे ।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस के लेनदेन में ख्याल रखें। पहले सब कुछ अच्छे से जांच परख लें। इस राशि की जो महिलाएं उद्योग शुरू करना चाहती हैं उनको परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपकी बातों से किसी की भावनाओं को ठेस न पहुचे इस बात का ख़ास ख्याल रखेंगे। अगर मन में कोई बात आपको परेशान कर रही है तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें आपको अच्छा हल मिलेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों का रुका हुआ काम आज कम्पलीट हो जाएगा, आप काम के नए टारगेट बनाएंगे। होलसेल का व्यापार कर रहे लोगों को आज अधिक मुनाफा होगा। जो लोग फिल्म जगत से जुड़े हैं उनको काम का अच्छा ऑफर मिल सकता है। आज हेल्थ से रिलेटेड प्रॉब्लम्स खत्म होने से एनर्जेटिक रहेंगे और काम करने में आपका मन लगा रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोग आज किसी प्रॉपर्टी डीलर से बातचीत करेंगे। आज अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाए विनम्रता से समझाएंगे तो रिश्तो में मिठास बनी रहेगी। माताएं अपने बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए कुछ ठोस कदम भी उठा सकती हैं। आज आप फालतू के खर्चों को कम करके बचत करने के बारे में विचार करेंगे। आपके व्यवसाय की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। दूर दराज के लोगों से संपर्क बनाकर बिजनेस करना लाभकारी रहेगा। आपके जीवनसाथी का साथ और प्यार आपके दांपत्य जीवन को मजबूत करेगा। इस राशि के जो वकील हैं आज किसी पुराने केस में जीत मिलेगी और साथ ही कोई नया केस भी मिल सकता है। पिछले कई दिनों से रुका हुआ काम आज शुरू करने से आपको सफलता मिलेगी। छात्रों के लिये आज का दिन शानदार रहने वाला है, किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनाएंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। इस राशि कि जो लोग संगीत के क्षेत्र में रुझान रखते हैं उनके लिए आज का दिन अच्छा है, फिल्म इंडस्ट्री से कोई ऑफर भी आ सकता है। किसी करीबी रिश्तेदार के आने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। छात्र आज अपने करियर को लेकर गुरु से परामर्श लेंगे तो समस्या का समाधान हो जाएगा। आज कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आप नया वाहन लेने का मन बनायेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। पारिवारिक मामलों में आज आपकी सलाह कारगर साबित होगी। आप जिस भी काम को करेंगे वह काम निश्चित रूप से पूरा हो जाएगा। समाज में आप अपनी ताकत और प्रतिष्ठा से पहचाने जाएंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अन्य दिनों की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आपका पढ़ाई लिखाई पर ध्यान केंद्रित रहेगा, जल्द ही आपकी सफलता के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से आज मन पसंद उपहार मिलेगा , जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि : आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज ऑफिस के काम से आपकी यात्रा हो सकती है। यह यात्रा आपके लिए लाभदायक साबित होगी। इस यात्रा के दौरान आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जिसकी बातों से आपको नई सीख मिलेगी। इस राशि के जो स्टूडेंट हैं उनको एग्जाम से रिलेटेड कोई अच्छा समाचार मिल सकता है। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है कहीं घूमने का प्लान बन सकता है। परिवार में माहौल अच्छा बना रहेगा। आज अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आपका कोई काम जो बहुत दिन से रुका हुआ था वो आज पूरा हो जाएगा। इस काम में आपको जीवनसाथी का भी सहयोग मिल सकता है। इस राशि के जो लोग लोहे के व्यापार से जुड़े हैं उनको ज्यादा लाभ के योग हैं। आज अचानक किसी अतिथि के आने से घर में उल्लास का माहौल बन जायेगा। कार्यों में माता-पिता का आशीर्वाद और सहयोग मिलता रहेगा। बच्चे आज आपसे अपने मन पसंद ड्रेस की डिमांड कर सकते हैं।

धनु राशि : आज आपका दिन एक नई उमंग लेकर आया है। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उनको ज्यादा प्रसिद्धि मिलेगी। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में जायेंगे, जहां पर लोगों पर आपकी बातो से अच्छा इंप्रेशन पड़ेगा। आज आप परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने में कामयाब होंगे। आपका सम्मान बढ़ जाएगा। लोगों को तेजी से परखने की क्षमता आपको आने वाली परेशानियों से दूर करेगी। छात्र आज ऑनलाइन कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे। डॉक्टर्स के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि : आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज रुका पैसा आपको मिल जाएगा। इससे आपको अपने खर्चों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस राशि के जो लोग आर्किटेक के क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन कुछ सीखने का है। आज आपके पास आराम के लिए कम समय रहेगा क्योंकि पहलें के टाले काम को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज आपको चुनाव करना है कि परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार करना है या उनमें फसकर परेशान होना है। किसी के साथ चल रही अनबन आपके कोशिश करने से समाप्त हो जायेगी।

कुंभ राशि : आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप किसी धार्मिक समारोह मे शामिल होंगे, आपके द्वारा समाज में किए गए कार्यों से आपका सम्मान बढ़ेगा इससे आपको गर्व होगा। इस राशि की जो महिलाएं वर्क फ्रॉम होम करना चाहती हैं उनके लिए आज का दिन शुभ है, आपको जल्द ही अच्छा लाभ मिलेगा। आज परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताने से अनुभव होगा कि आपके प्रियजनों का आपके प्रति प्यार कितना गहरा है। लव मेट के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशि : आज का दिन बेहद ख़ास पल लेकर आया है। आज आप किसी योजना के बारे में अपने उच्चाधिकारी से बात करेंगे, आपकी जो भी समस्या है उसका सॉल्यूशन मिल जाएगा। आज दोस्तों के साथ अपने रवैए पर कंट्रोल करने की जरूरत है। ऑफिस के किसी काम में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपका काम जल्द पूरा हो जायेगा। छात्र अपने करियर को बेहतर बनाने के लिये किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

सामयिक आलेख

राम आए हैं तो रामराज का आना भी तो जरूरी है

सुशील कुमार 'नवीन'

राम राज बैंठें त्रैलोका।
हरषित भए गए सब सोका।।
बयरु न कर काहू सन कोई।
राम प्रताप बिषमता खोई।।

आप भी हैरान हो गए होंगे। अपनी हर लेखनी रूपी अक्षय तूणीर से व्यंग्य के तीक्ष्ण तीर छूटने की जगह आज ह्रदय परिवर्तन कर भक्तिमय वातावरण कैसे बना दिए। आपका सोचना वाजिब है और हमारे चित्त का सुकोमल होना भी वाजिब है। हो भी क्यों न हो,जब सारा देश राम के जयकारे लगाने में लगा हुआ है तो हम पीछे क्यों रहें? हमारी आस्था पर सवाल न उठ जाएंगे।

प्रधान सेवक ने 22 जनवरी को सम्पूर्ण राष्ट्र को राममय बनाने का आह्वान किया है। दिवाली की तरह इस दिन को प्रकाशमय बनाने की कही है। उनकी बात को टालना सहज थोड़े ही है। विरोधी भी इससे अपने आपको दूर नहीं रख सकेंगे। अब इस दिन हमें क्या करना है? क्या-क्या खरीदारी करनी है इस पर शनिवार को विचार मंथन चल ही रहा था, इसी दौरान ज्ञान प्रसाद जी पधार गए। ज्ञान के अपूर्व भंडार ज्ञान प्रसाद जी हमारे मित्रवत तो है ही, इसके साथ गाहे बगाहे हंसी ठिठोली भी इनके साथ कर ही लेते हैं। बंदे में भले ही सौ बुराइयां हो पर हमारी बात का कभी भी बुरा कभी नहीं मानते। औपचारिक आवभगत के बाद आने का प्रयोजन पूछा तो फूट पड़े।

बोले - मास्टरजी! एक बात बताओ। यो 22 तारीख आला, कै रोला(मामला) है? सारा देश बावला होया हांडे है। घरवाली मंदिर सजान लाग रही सै। छोरे नै राम दरबार लया कर धर राख्या सै। घी के दीए तैयार सै। 20 किलो लाडवा(लड्डू) का ऑर्डर देन मैं जाण लाग रह्या सूं। मामला मेरी समझ तै दूर सै। राम मंदिर तो भारत में बनदे रहवै सै। कोई नई बात तो है नहीं। अयोध्या में और बण ज्यागा। आप सयाने माणस सो। बेड़ा पार करो।

ज्ञानप्रसाद जी की बात को सुनकर हंसी आ गई तो वो फिर बिदक पड़े। बोले- अजीब आदमी हो। कोई समझदार मान तुमसे बात करने आया है,और तुम उसकी खिल्ली उड़ा रहे हो। नहीं बताना हो तो मत बताओ, हम भी वहीं कर लेंगे जो दुनिया कर रही है। चास (जला)ल्यांगे पांच दीए और बांट द्यांगे लाड्डू। रूठकर उठने लगे तो बमुश्किल उन्हें रोका।

मैं बोला- दादा! आप तो नाराज हो गए। आपकी बात सुन आदतन हंसी आ गई। आप बड़े भोले हो दादा। बात मंदिर बनने की नहीं है। बात हमारी आस्था की है। हमारी भावना की है। एकजुटता की है। राम को हम नहीं मानेंगे तो क्या पाकिस्तान,अफगानिस्तान वाले मानेंगे।

वो बोले - बात तो ठीक है। पर लोग कह रहे हैं कि ये मंदिर के नाम पर राजनीति हो रही है। जो पक्ष में हैं वो इसे उत्सव के रूप में मना रहे हैं। जो विपक्ष में है वो इसे राजनीतिक कार्यक्रम बता रहे है। मैंने कहा - अच्छा,एक बात बताओ। भेड़ चाल के बारे में तो सुना होगा। बोले- सुना क्या, वो तो देखी भी है। झुंड में से जो भेड़ आगे चल पड़ती है,सब भेड़ें उसके पीछे चल पड़ती हैं। आगे वाली भेड़ कुएं में गिर जाएं तो सारी पीछे कुएं में ही गिर जाती है। पर इस बात से 22 तारीख का क्या मामला।

मैंने बोला - आप इस बात का नकारात्मक रूप देख रहे हो। इसका सकारात्मक रूप भी तो अनुभव करो। जरूरी नहीं कि हर अनुकरण आपको गलत दिशा में ले जाए। अनुकरण सही दिशा में हो तो लक्ष्य भी प्राप्त होता है। देवत्व को मानना न मानना इच्छा शक्ति पर निर्भर है।

जो राम को मानते हैं वो इसे उत्सव के रूप में मनाएंगे, जो नहीं मानते वो न माने। इस रामोत्सव से दूर रहें तो रहें।

ज्ञानप्रसाद जी फिर बोल पड़े। बोले - अच्छा मास्टरजी एक बात और बताओ। राम तो 22 जनवरी को आ जाएंगे। राम के साथ क्या रामराज भी आ जाएगा? इस प्रश्न का जवाब मेरे पास भी नहीं था। फिर भी मैंने इतना ही कहा कि पहले राम को तो आने दो। रामराज भी आ जाएगा। अच्छा जी, मास्टरजी राम राम। यह कहकर ज्ञानप्रसाद मेरे मन मस्तिष्क में रामराज नामक यक्ष प्रश्न छोड़कर निकल गए। बात तो ज्ञानप्रसाद जी की सौ फीसदी सही है। भोलेपन के साथ कही गई इस बात में जो गांभीर्यता है,वो आप सब लोग जानते हो। राम का आना देश के जन जन के लिए तभी सार्थक होगा, जब राम के साथ रामराज का दौर फिर से आ जाए। अब तो मन को इसी बात पर दिलासा दी जा सकती है कि राम आए हैं तो रामराज भी जरूर आएगा। जय श्री राम।

दैहिक दैविक भौतिक तापा।
राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।
राम भगति रत नर अरु नारी।
सकल परम गति के अधिकारी

नोट- ये लेखक के व्यक्तिगत विचार है। इसका किसी की भावनाओ के साथ कोई संबंध नहीं है।

धर्म-संस्कृति

अयोध्या का 'नया अध्याय' आस्था का संगीत, इतिहास का दर्पण

प्रियंका सौरभ

अयोध्या की पावन धरती पर, सरयू नदी के मधुर स्वर के साथ गुंजायमान श्री राम जन्मभूमि मंदिर की भव्यता आस्था का एक ऐसा महाकाव्य प्रस्तुत करती है, जिसके स्वर सदियों के इतिहास को बयां करते हैं। भगवान राम के जन्मस्थान के रूप में विख्यात, यह मंदिर केवल ईंटों और पत्थरों का समूह नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का दर्पण है, जहां इतिहास, संस्कृति और आस्था एक स्वर्णिम त्रयी में बंधे हुए हैं। राम मंदिर के भविष्य में उज्वल प्रकाश नजर आता है। आध्यात्मिकता, संस्कृति और पर्यटन का केंद्र बनता अयोध्या, आधुनिक तीर्थस्थल के रूप में विकसित होगा।यह मंदिर न केवल भारत के अतीत का गौरवशाली इतिहास समेटेगा, बल्कि एक उज्वल भविष्य का निर्माण भी करेगा। यहां आधुनिक सुविधाओं के साथ पारंपरिक संस्कृति का संगम होगा।

राममय हुई अयोध्या के नाम एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है। सज रही अयोध्या सारी, अयोध्या में राम ही राम, बनेंगे बिगड़े काम। राम मंदिर की सौगात, श्रीराम का दिव्य दरबार। गूंज रही एक ही आवाज, लौट आया राम राज्य। अध्यात्म से समृद्ध राम नगरी अब सफलता का नया अध्याय लिखने जा रही है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या की तस्वीर के साथ-साथ तकदीर भी बदल गई है। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में उत्तर प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसके साथ ही, आर्थिक रूप से अयोध्या भी विकास की नई सीढ़ी चढ़ी है। उत्तर प्रदेश का पवित्र शहर अयोध्या, भगवान राम की जन्मस्थली के रूप में अत्यधिक धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। रामायण और महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है। इसी कारण अयोध्या एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल भी बन गया है। शहर की सांस्कृतिक पहचान इसके इतिहास और धार्मिक महत्व के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। ऐसे में हर भारतीय के लिए इसके बारे में जानना बेहद दिलचस्प साबित होगा। अयोध्या एक नगरी नहीं, एक आस्था है। एक समर्पण है, एक विश्वास है। एक एहसास है, अयोध्या जहां के कण-कण में बसते हैं। प्रभु राम, अयोध्या, जहां की फिज़ाओं में गुंजता है। सनातन धर्म का शंखनाद, ये नगरी है, श्री राम की। ये नगरी है, अखंड विश्वास की। 1990 से अबतक अयोध्या की चीत्कार थी, कि अयोध्या नगरी प्रभु राम की है। तब से लेकर अबतक राम जन्मभूमि आंदोलन हिंदू सभ्यता की जड़ों पर हुए विनाश और इसे पुनः प्राप्त करने की कठिन लड़ाई का एक मार्मिक प्रमाण है। अयोध्या की प्राचीन उत्पत्ति के बारे में बात करें तो अयोध्या को पहले साकेत के नाम से जाना जाता था। इसकी एक समृद्ध विरासत है जो ईसा पूर्व पांचवीं या छठी शताब्दी की है। सरयू नदी के तट पर स्थित, अयोध्या ने तीर्थयात्रियों, इतिहासकारों और पर्यटकों को सदैव अपनी ओर आकर्षित किया है जो यहां की पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक जड़ों से जुड़कर उन्हें रोमांचित करती है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अयोध्या प्राचीन कोसल साम्राज्य की

राजधानी और भगवान राम का जन्मस्थान था। राजा दशरथ द्वारा शासित इस शहर को एक समृद्ध और सामंजस्यपूर्ण राज्य के रूप में वर्णित किया गया था। इक्ष्वाकु, पृथु, मांधाता, हरिश्चंद्र, सगर, भगीरथ, रघु, दिलीप, दशरथ और राम उन प्रसिद्ध शासकों में से थे जिन्होंने कौशल (कोसल) देश की राजधानी पर शासन किया था। अयोध्या की संस्कृति एवं विरासत अतीत में सूर्यवंशियों के साम्राज्य से उत्पन्न हुई है। सूर्यवंशी क्षत्रियों के वंश में राजा रघु एक तेजस्वी चरित्र थे जिनके नाम पर सूर्यवंश रघुवंश के नाम से लोकप्रिय हुआ। राजा रघु की तीसरी पीढ़ी में श्री राम का जन्म हुआ, जिनकी छवि आज भी सभी हिंदुओं के ह्रदय में भगवान के रूप में विद्यमान है। रामायण का काल संभवतः प्राचीन भारत के इतिहास का सबसे गौरवशाली काल था। दरअसल, इसी युग में न केवल सबसे पवित्र धर्म ग्रंथों, वेदों और अन्य पवित्र साहित्य की रचना हुई, जिन्होंने भारतीय संस्कृति और सभ्यता की नींव रखी, बल्कि यह युग कानून और सच्चाई के शासन में भी अनुकरणीय था।

राज्य और समाज की प्रतिष्ठा से जुड़े मामलों में राजा अपनी प्रजा के प्रति जवाबदेह था। तथ्यों की सत्यता तीन सहस्त्राब्दियों से अधिक के बाद भी महाकाव्य में निहित है। भगवान राम रामायण के %आदर्श पुरुष% थे। उनके चौदह वर्ष के वनवास ने मानव मन को उनके जीवन के अन्य अवधियों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया क्योंकि उन्होंने केवल अपने पिता के वचन का सम्मान बनाए रखने के लिए, अपनी उचित विरासत को त्यागकर जंगल में घूमना शुरू कर दिया था।

इसके अलावा भारतीय इतिहास में भी अयोध्या का विशेष स्थान रहा है। अतः धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से भी अयोध्या को प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त हुआ है। अयोध्या के इसी ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने यहां आने वाले पर्यटकों और निवासियों की सहुलियत के लिए धर्मनगरी के कायाकल्प का जिम्मा संभाला है। अयोध्या का नाम सुनते ही मन रामायण के पन्नों में खो जाता है। यही वह पवित्र भूमि है जहां भगवान राम का जन्म हुआ, उनके जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंग घटित हुए। सदियों से, अयोध्या तीर्थयात्रियों और विद्वानों की आस्था का केंद्र रहा है, जहां मंदिरों और आश्रमों से ज्ञान और आध्यात्मिकता का प्रकाश बिखरता है। मुगल काल का एक अध्याय अयोध्या के इतिहास में खून के धब्बे छोड़ गया। राम जन्मभूमि पर मस्जिद का निर्माण, विवादों का बीज बो गया। 1992 में हुए तनावपूर्ण घटनाक्रमों के बाद, यह विवाद सुप्रीम कोर्ट की चौखट तक पहुंचा। 2019 में आया ऐतिहासिक फैसला, जिसने न्याय की तराजू को सीधा कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने विवादित भूमि को राम जन्मभूमि न्यास को सौंपने का आदेश दिया, तभी मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। राम मंदिर, केवल हिंदुओं की आस्था का ही केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। भगवान राम, आदर्शों और नैतिकता के मूर्तिमंत स्वरूप हैं, जिनके गुण भारतीय संस्कृति की जीवनदायिनी नदियों की तरह पूरे देश में बहते हैं। लाखों श्रद्धालुओं के लिए राम मंदिर, जीवन, धर्म, कर्म और सत्य के सरोवर में डूबकर पवित्र होने का साधन है। यहां आकर वे राम के आदर्शों को जीते हैं, उनके गुणों को आत्मसात करते हैं और जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने का बल पाते हैं। भव्य राम मंदिर का निर्माण, इतिहास का पुनर्लेखन है। यह केवल मंदिर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान और राष्ट्रीय एकता का स्वर्णिम अध्याय है। मंदिर निर्माण से रोजगार के अवसर तो मिलेंगे ही, साथ ही अयोध्या एक वैश्विक तीर्थस्थल के रूप में भी स्थापित होगा। यह मंदिर, सामाजिक सद्भावना और धार्मिक सहिष्णुता का प्रेरक मंत्र भी है। यह दिखाएगा कि शांतिपूर्ण तरीके से विवादों को सुलझाया जा सकता है, और विभिन्न समुदाय मिलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकते हैं। यहां सभी धर्मों के लोग शांति से आ सकते हैं, प्रार्थना कर सकते हैं और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं। राम मंदिर के भविष्य में उज्ज्वल प्रकाश नजर आता है। आध्यात्मिकता, संस्कृति और पर्यटन का केंद्र बनता अयोध्या, आधुनिक तीर्थस्थल के रूप में विकसित होगा। यह मंदिर न केवल भारत के अतीत का गौरवशाली इतिहास समेटेगा, बल्कि एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण भी करेगा। यहां आधुनिक सुविधाओं के साथ पारंपरिक संस्कृति का संगम होगा।

एक नजर

गौठानों के संचालन की नीति स्पष्ट करे प्रदेश सरकार: विनोद चंद्राकर

महासमुंद 22 जनवरी। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन के बाद गौठानों से जुड़े लोग और पशुपालक इस पशोपेश में हैं कि गौठान अब चलेंगे या बंद हो जाएंगे। गौठान योजना, चरवाहों, महिला समूहों के लिए रोजगार का प्रमुख साधन था। इसके अलावा गोबर बिक्री पशु पालकों के लिए अतिरिक्त आय का साधन बना। लाखों रूपए के गोबर बेचकर पशु पालक उन्नत बने। चरवाहों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। भाजपा सरकार में गौठानों में सारी गतिविधियां बंद हैं, इससे जुड़ी महिला समूहों, पशु पालकों, गौठान समितियों में चिंता व्याप्त है। गौठान को लेकर भाजपा की प्रदेश सरकार को अपनी नीति स्पष्ट करना चाहिए।श्री चंद्राकर ने आगे कहा कि 20 जुलाई 2020 को पूर्व कांग्रेस सरकार ने गोधन न्याय योजना शुरू की। योजना के तहत दो रुपए किलो में गोबर खरीदी और 4 रुपये लीटर की दर पर गोमूत्र की खरीदी शुरू हुई। इस योजना के तहत ग्रामीणों और गोबर संग्राहकों को तथा गौठान समितियों के समूहों को 4 साल में 169.41 करोड़ का भुगतान किया किया। गौठानों में महिला समूहों द्वारा गोधन न्याय योजना के तहत खरीदे गए गोबर से बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट बनाया गया। 300 ग्रामीण औद्योगिक पार्क की शुरुआत हुई। जिसमें मूर्तियां, अगरबत्ती, गोबर से पेंट जैसे उत्पादों का निर्माण, चप्पल से लेकर कई उत्पाद महिला समूह द्वारा बनाने की शुरुआत हुई। गौठानों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में काम हुए। लेकिन, अब प्रदेश में सरकार बदलते ही गौठानों में काम पूरी तरह से रुके हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी भी इसमें रुचि नहीं ले रहे हैं। गौठानों में किसी भी तरह की गतिविधि बंद है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए गांवों में गौठान बनाकर वहां पशुओं को रखने की व्यवस्था की गई। प्रदेश में करीब 11,288 गौठान स्वीकृत किए गए। जिनमें से 4372 गौठान पूरी तरह से स्वावलंबी बनकर उभरें। गौठानों में पशुओं के लिए डे-केयर की व्यवस्था की गई। गौठानों में जैविक खाद का उत्पादन कर इसके उपयोग को बढ़ावा दिया गया। प्रदेश में 16 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट बिक्री सहकारी समीतियों के माध्यम से की गई। इससे महिला समूह आत्मनिर्भर हुए।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के विद्यार्थी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में दो दिवसीय प्रवास पर

राजनांदगांव 22 जनवरी। भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के विद्यार्थी, प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए सामाजिक प्रभाव के लिए प्रबंधन विषय अंतर्गत अपने सामाजिक दायित्वों को समझने एवं बेहतर नागरिक बनने के लिए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में दो दिवसीय प्रवास पर हैं। इसी कड़ी में जिला पंचायत सीईओ श्री अमित कुमार एवं पद्मश्री श्रीमती फूलबासन बाई यादव से भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के विद्यार्थियों ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में भेंट की एवं विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। जिला पंचायत सीईओ श्री अमित कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला स्वसहायता समूह द्वारा बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है। समूह की महिलाएं विभिन्न गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं। बिहान अंतर्गत समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सहयोग किया जा रहा है। वित्तीय साक्षरता के दृष्टिकोण से भी महिलाओं में जागरूकता आयी है। बैंक सखी द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना में पंजीयन तथा पेंशन निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के तहत श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में महिला श्रमिकों की संख्या अधिक है। यहां की खासियत है कि महिलाएं घर के कामों के अलावा जिले में लगभग 73 प्रतिशत महिलाएं मनरेगा के अंतर्गत कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जिले में धान की खेती बहुतायत में होती है। इसके साथ ही अन्य फसल भी ले रहे हैं तथा उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जा रहा है। जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। माँ बम्लेश्वरी जनहितकारी समिति की अध्यक्ष पद्मश्री श्रीमती फूलबासन बाई यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित वस्तुओं एवं उत्पादों की ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग के लिए कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में हर ग्राम में नशा मुक्ति अभियान तथा स्वच्छता फौज तैयार की जाएगी तथा रोजगार के लिए विशेष तौर पर पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हर महिला को रोजगार से जोडऩे के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

संपर्क, संवाद और परिश्रम ही एक जन सेवक को जननायक बनाते हैं:अमित शाह

रायपुर 22 जनवरी । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में राज्य के नवनिर्वाचित विधानसभा सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि सीखने की ना कोई उम्र होती है और ना इसके लिए कभी समय खत्म होता है और जीवन के अंत तक सीखते रहना ही सफलता का मूल मंत्र होता है। उन्होंने कहा कि विधायक के रूप में चुनकर आने वाले लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि वे एक परंपरा के वाहक हैं। श्री शाह ने कहा कि आज़ादी के 75 सालों में पूरे देश और सभी दलों ने मिलकर लोकतंत्र की जड़ों को गहरा कर पूरी दुनिया को ये संदेश दिया कि हम एक सफल लोकतंत्र हैं। हमने त्रिस्तरीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को ना केवल सफलता के साथ आत्मसात किया है बल्कि इसके सुफल भी जनता तक पहुंचाए हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमारे देश में विधायक पर तीन प्रकार के दायित्व होते हैं- क्षेत्र, पार्टी की विचारधारा और पूरे राज्य की प्रगति के प्रति दायित्व। श्री शाह ने कहा कि इन तीनों क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए आयोजनपूर्वक समय और शक्तियों का आवंटन करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि विधायक का ये भी दायित्व है कि पार्टी की नीतियों, कार्यपद्धति और उद्देश्यों की परिपूर्ति के लिए भी काम करे। उन्होंने कहा कि प्रभावी बनने के लिए सब जनप्रतिनिधियों के अंदर जनता और क्षेत्र के प्रति संवेदना और सार्वजनिक दायित्व का निर्वहन करने के लिए तत्परता, कुशलता और उत्सुकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें सदैव प्रसन्न रहते हुए लोकसंपर्क, लोकसंग्रह, विधायी दायित्वों का निर्वहन और पार्टी की नीतियों और उद्देश्यों को ज़मीन पर उतारना चाहिए। श्री अमित शाह ने कहा कि हमें प्रशासन को समझकर और लिखकर देने की आदत विकसित करनी चाहिए, इससे काम जल्दी होगा। उन्होंने कहा कि हमें अधिकारियों के साथ काम करने की अपनी कार्यपद्धति को इवॉल्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जब समर्थ और जवाबदेह होता है तभी उसके क्षेत्र में अच्छा प्रशासन उसका समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निराकरण के लिए कई रास्ते होते हैं और इनमें सबसे उचित रास्ता नियमों के अनुसार कंक्रीट पत्र लिखकर प्रशासन को देना और ज़िम्मेदारी तय करना होता है। सार्थक रूप से समस्या को समझकर लिखा गया पत्र किसी भी आंदोलन से अधिक कारगर होता है और इससे आंदोलन का अधिकार समाप्त नहीं होता है। श्री शाह ने कहा कि जनता की समस्याओं के निराकरण और उसमें हमारे दायित्वों के निर्वहन के लिए सबसे पहले समस्या को समझना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि हमारा मूल काम समस्या पर समग्रता के साथ विचार कर समाधान देना है, प्रसिद्धि लेना नहीं है और जनप्रतिनिधियों को जनहित की योजनाओं का वॉचडॉग भी बनना चाहिए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का एक विधायी दायित्व भी होता है। उन्होंने कहा कि बहुत कम लोग विधेयक, उसके परिणाम और उद्देश्यों का अध्ययन करते हैं।

राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा पर देश भर मनेहा दीपोत्सव ,भाजपा ने बांटे दीप

रायपुर 22 जनवरी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर पूरे देश में उत्सव मनाने की तैयारी जोरों पर है भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता मंदिर से जुड़े विभिन्न आयोजनों में बढ़ चढ़ कर भागीदारी ले रहे हैं इसी संदर्भ रायपुर जिला भाजपा द्वारा जिला अध्यक्ष जयंती पटेल के नेतृत्व में आज राजधानी रायपुर के हृदय स्थल पर जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से आम जनता को सर्वप्रथम भगवा ध्वज वितरण किया गया एवं साथ ही हर घर दीपावली की तर्ज पर दीपक जलाने हेतु दीपक की सामग्री वितरण किया गया एक डब्बे के अंदर 5 मिट्टी के दीपक , तेल एवं बाती भरकर उसका वितरण किया गया तत्पश्चात भजन संध्या का आयोजन भी किया गया जहां रायपुर लोकसभा सांसद सुनील सोनी , सरगुजा प्रभारी संजय श्रीवास्तव , प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा की उपस्थिति में दीपक सामग्री वितरण की गई राम लला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव से जुड़े समस्त कार्यक्रम में भाजपा का हर नेता और कार्यकर्ता हर्षोल्लास से ओतप्रोत होकर जन भागीदारी के साथ विभिन्न आयोजनों में हिस्सा ले रहे हैं जिसमे मंदिर प्रांगण स्वच्छता अभियान , दीपोत्सव हेतु सामग्री वितरण , प्रभात फेरी , भजन कीर्तन का आयोजन प्रमुखता से शामिल है आम जन मानस भी राम मंदिर संबंधित आयोजनों में बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी दे रहा है ।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह से लिया हिस्सा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बचेली 22 जनवरी। पढाई के साथ-साथ खेल भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक है इसे ही ध्यान में रखते हुए एनएमडीसी डीएवी आईटीआई भान्सी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक ङ्क 18/01/2024 से 20/01/2024 तक सफलतापूर्वक किया गया द्य वार्षिक खेलो के कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था के प्राचार्य श्री कमलेश साहू के द्वारा फीता काटकर किया गया द्य उन्होंने सभी खिलाडियों को खेल भावना के साथ सभी खेलो को खेलने का निर्देश दिया एवं सभी खिलाडियों को टीम वर्क से खेलो में विजय प्राप्त करने का मन्त्र दिया द्य तत्पश्चात एक के बाद एक विभिन्न खेलो जैसे ङ्क रस्सा कशी , बैडमिंटन, वॉलीबॉल , क्रिकेट , गोला फ़ेंक, कबड्डी, 100 मीटर दौड़, शतरंज और कैरम आदि में खिलाडियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और आईटीआई के सभी स्टाफ के द्वारा इन खेलो के आयोजन को सफल बनाने में भरपूर योगदान दिया गया द्य सभी खेलो का छात्रों एवं दर्शक-

गणों के द्वारा भरपूर आनंद उठाया गया। विपाल (मैकेनिक डीजल) एवं उपविजेता राजेश (मैकेनिक मोटर व्हीकल), 100 मीटर दौड़ में विजेता लक्ष्मण (इलेक्ट्रीशियन) एवं उपविजेता धनंजय(इलेक्ट्रीशियन), गोला फ़ेंक में विजेत समीर (फिटर) एवं उपविजेता धनंजय(इलेक्ट्रीशियन), कैरम- विजेता- देवेंद्र और लव (फिटर) एवं उपविजेता बादल और करण (मैकेनिक डीजल), रस्सा कशी में विजेता- मैकेनिक डीजल एवं उपविजेता इलेक्ट्रीशियन सीनियर , वॉलीबॉल में विजेता- वेल्डर एवं उपविजेता फ़िटर सीनियर , क्रिकेट में विजेता- फिटर एवं उपविजेता मैकेनिक डीजल तथा कबड्डी में विजेता- वेल्डर ( )एवं उपविजेता वेल्डर(क्ष) की टीमे रहीं।

हसदेव अरणय में कटाई और मुंदवेंडी घटना को लेकर एक दिवसीय बस्तर बंद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल 22 जनवरी। बस्तर संभाग सर्व आदिवासी समाज के आव्हान पर कल एक दिवसीय बस्तर बंद का एलान किया गया है, सभी जिला और ब्लॉक मुख्यालय के अध्यक्ष और सचिव को लेटर जारी कर संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने ज्ञापन जारी कर कहा की एक तरफ हमारे आदिवासी समाज को सरकार फर्जी मुठभेड़ के नाम से लगातार हत्या कर रहे है वही 6 माह की बच्ची 3जनवरी को फर्जी मुठभेड़ के नाम से नक्सली और पुलिस के बच मुठभेड़ होने पर क्रॉस फायरिंग के बीच आने से उसको गोली लगने जैसा मनगढ़त कहनी बनकर मामले को दबाने को कोशिश की जा रही है, बस्तर संभाग सर्व आदिवासी समाज ने सरकार पर आरोप लगते हुए कहा की सरकार जानबूझकर इस तरह को कहानी बनकर आदिवासियो को खत्म करने का साजिश है नक्सलवाद खत्म के नाम पर आदिवासियो को निशाना बना रही है ,आदिवासियो के पास जो जल जंगल जमीन है उन्हे उद्योगपतियों को सौंपने का काम कर रही ,इस बंद के आव्हान पर मुंदवेंडे घटना में दोषी जवानों को कड़ी करवाई हो , साथी ही पीड़ित परिवार को 50लाख मुआवजा और परिवार को नौकरी देने को मांग कर रहे है और हसदेव जंगल की कटाई को तत्काल बंद करने की मांग को लेकर कल एक दिवसीय बंद का आव्हान किया गया है।

कांकेर में पहली बार 5100 दीप जला कर मनाया जाएगा रामोत्सव

■ **राजापारा स्थित राम मंदिर में 22 जनवरी को आयोजित किए जाएंगे विविध आयोजन**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 22 जनवरी। परमपुण्य अयोध्या की पावन धरा में प्रभु श्री रामलला की ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा सोमवार 22 जनवरी को सम्पन्न होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार इसे प्रदेश भर में रामोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मुख्यालय कांकेर के राजापारा वार्ड स्थित राम जानकी मंदिर में जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जायेंगे। कांकेर के इतिहास में पहली बार 5100 दीए एक साथ प्रज्ज्वलित कर रामोत्सव मनाया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजापारा के श्री राम जानकी मंदिर में दोपहर 12 बजे से मानस गान का आयोजन 05 मंडलियों के द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री मोहन मंडावी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम उसेंडी और भानुप्रतापपुर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी सहित जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमंत ध्रुव, उपाध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सरोज ठाकुर, उपाध्यक्ष आदि मौजद रहेंगे। जिला पंचायत के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल ने बताया कि कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार राम जानकी मंदिर परिसर में शाम 5.30 बजे एक साथ 5100 दीए प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके बाद दीपदान कर रामलला का पुण्य स्मरण किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह ने 22 जनवरी को आयोजित होने वाले रामोत्सव के ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने सभी जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, नगरवासियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आमजनता को उपस्थित होने का निवेदन किया है।

समाचार संक्षेप

राम लला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में निकाली गई विशाल बाइक रैली व कलश यात्रा

सुकमा 22 जनवरी। सुकमा जिले में रामलला के 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के पहले पूरा विश्व राममय हो गया है! जंहा कई राज्यों से कुछ ना कुछ अयोध्या जा रहा हैं तो वंही आदिवासी क्षेत्र सुकमा जिले में प्रभु श्री राम का विशेष जुड़ाव रहा है!इसलिए सुकमावासी भी इस मौके पर आयोध्या के रामलला के लिए सुकमा राम मंदिर से विशाल भव्य बाइक रैली व कलश यात्रा निकाली गई पूरे सुकमा में श्रीराम के जयकारों से गुज उठा सुकमा प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता की तस्वीर भक्तो ने लेकर पूरे सुकमा में कलशयात्रा निकाली गई हजारों की संख्या में मौजूद रहे भक्त।

सुकमा में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

सुकमा 22 जनवरी। भाजपा जिलाध्यक्ष धनीराम बारसे,सहायक आयुक्त गणेश सोरी व आरएसएस के जिला संघचालक आशीष दुबे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ रामायण व भजन मंडली के 20 टीमें ले रही हिस्सा, सुकमा जिले के अलावा दंतेवाड़ा की भजन मंडली भी ले रही भागीदारी कार्यक्रम में गुप्तेश्वर प्रसाद गंगबेर,भाजपा जिला महामंत्री विश्वराज चौहान,राम उत्सव समिति सदस्य रमाशंकर साहू, पवन शाहा रहे मौजूद।

उप राष्ट्रपति ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विकास प्रदर्शनी का किया अवलोकन

रायपुर 22 जनवरी। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर लगायी गई। विकास प्रदर्शनी में कृषि स्टार्ट अप, बायोटेक और कृषि विज्ञान केंद्र के विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया। इस दौरान धमतरी जिले के बगरूम नाला गांव से आई श्रीमती प्रेमबाई कुंजाम और श्रीमती मिलन बाई उइके ने उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ को बताया कि उनके समूह की महिलाएं नगरी दुबराज सुगंधित चावल का उत्पादन करती हैं। जिसका मूल्य 120 रूपये प्रति किलोग्राम है। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने अलसी के डंठल से बने छत्तीसगढ़ लिलेन कपड़े में विशेष रूचि दिखायी। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. के. पी. वर्मा ने बताया कि अलसी के डंठल जो अब तक बिलकुल भी उपयोगी नहीं थे अब इनसे 'वेस्ट टू वेल्थ' अभियान के तहत कपड़ों का निर्माण किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय की प्रदर्शनी में लगे मूंगफली छिलाई यंत्र को अपने हाथों से संचालित किया एवं इसकी प्रशंसा भी की।

रायपुर 22 जनवरी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक मोतीलाल साहू एवं भाजपा के लोकसभा संयोजक अशोक बजाज ने व्ही आई पी रोड स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण देखा। यहां पर एल ई डी के माध्यम से प्रसारण देखने सुबह से ही भीड़ लग गई थी।

जगदलपुर 22 जनवरी। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर कांग्रेस भवन में सुन्दर कांड व महा भण्डारा का आयोजन किया गया है।

फुंडहर में संचालित नव गुरुकुल संस्थान में सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग का प्रशिक्षण

आईआईटी स्टूडेंट रहे दो आईएएस अफसरों ने सफलता के टिप्स दिए ट्रेनी छात्राओं को

रायपुर 22 जनवरी। रायपुर जिला प्रशासन के सहयोग से फुंडहर में संचालित नव गुरुकुल संस्थान में सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं ने आज दो उन आई.ए.एस. अफसरों से सफलता के टिप्स सुने, जिन्होंने देश के ख्यातिलब्ध संस्थान आई.आई.टी. से डिग्री प्राप्त की है। नगर निगम रायपुर के कमिश्नर और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री अबिनाश मिश्रा, जिन्होंने आई.आई.टी. खड़गपुर से और जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप ने आई.आई.टी. दिल्ली से अपना ग्रेजुएशन पूरा किया है, आज सॉफ्टवेयर डेव्हलपमेंट, वेबसाइट क्रिएशन, कोडिंग तकनीक सहित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार के अवसर के साथ ही स्टार्टअप से बदल रही दुनिया के बारे में स्टूडेंट्स को उपयोगी जानकारी दी।

रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में नव गुरुकुल संस्थान फुंडहर में संचालित है, जिसमें 100 छात्राएं निःशुल्क सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग की ट्रेनिंग ले रही है। लगभग 18 माह में पूरी होने वाली इस ट्रेनिंग

के बाद उन्हें बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने का अवसर मिलेगा, साथ ही इस ट्रेनिंग से सॉफ्टवेयर डेव्हलपमेंट और स्टार्टअप की दुनिया में कदम रखने का मौका मिलेगा।

इन अफसरों से विद्यार्थियों ने अपने कैरियर से जुड़े सवाल पूछे, यह जानना चाहा कि विभिन्न विषयों के बीच कैरियर के लिए सही चयन किस तरह से करें और प्रतियोगिता के दौर में अपना सर्वश्रेष्ट देने की क्षमता विकसित कैसे करें। कमिश्नर श्री मिश्रा ने उन्हें बताया कि सीखने की प्रवृश्रि हमेशा बनाए रखें और दुनिया में आ रही हर नई तकनीक को अपनी गतिविधियों में शामिल रखें। सी.ई.ओ. श्री विश्वदीप ने सभी को सलाह दी कि भारत रत्न ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की सीख को ध्यान में रखकर हमेशा बड़ा सोचे और अपने सपने को पूरा करने पूरी ताकत से ऐसे जुटे कि जीवन में आने वाली बाधाएं छोटी लगने लगे। इस परिचर्चा के लिए नव गुरुकुल के प्रमुख श्री निकेश ध्रुव व रायपुर कैंपस की मैनेजर पूर्वी सक्सेना ने संस्थान की ओर से दोनों अफसरों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शीतला माता मंदिर में सीधा प्रसारण एवं भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव 22 जनवरी। अयोध्या में आयोजित श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम शीतला मंदिर प्रांगण राजनांदगांव में आयोजित किया गया है। अयोध्या में आयोजित श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव का 22 जनवरी 2024 को शहर के प्राचीनतम सिद्धपीठ शीतला माता मंदिर में भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सुबह 11 बजे से अयोध्या में आयोजित श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा-रामोत्सव का सीधा प्रसारण किया जायेगा तथा दीप प्रज्जवलन व दीपदान किया जायेगा। इसके अलावा मानस मंडलियों द्वारा रामचरित मानस पर मानस गायन की प्रस्तुति दी जायेगी। इसके साथ ही सिंगोला मंदिर प्रांगण राजनांदगांव, हनुमान मंदिर डोंगरगांव, बंजारी मंदिर छुरिया एवं माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मानस मंडलियों को दी जाएगी पांच-पांच हजार की प्रोत्साहन राशि

उत्तर बस्तर कांकेर 22 जनवरी। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा रामोत्सव के अवसर पर कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले के सभी सातों विकासखंड में मानसगान का आयोजन कराया गया। प्रत्येक ब्लॉक से 5- 5 मंडलियों को प्रोत्साहन स्वरूप पांच- पांच हजार रुपए की राशि प्रदाय की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार सभी ब्लॉक के ऐसी 35 मंडलियों को उक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। जिला पंचायत के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल ने बताया कि एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय रामायण रामोत्सव कार्यक्रम में भाग लेने वाली मानस मंडलियो में जनपद पंचायत अंतागढ़ की ग्राम पंचायत बड़ेतोपाल की शीतला महिला मानस मंडली देहारीतोपाल, ग्राम पोड़गांव के शिव शक्ति महिला मानस मंडली, कोलर के मां दंतेश्वरी मानस मंडली, अंतागढ़ के जय मां शीतला मानस मंडली एवं जय मां आमाबुदीन शीतला मानस मंडली के कलाकारों को प्रोत्साहन स्वरूप 5- 5 हजार रूपए प्रदान किए जाएंगे। इसी तरह जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर अंतर्गत भानुप्रतापपुर की ज्ञान के अंजोर मानस मंडली और सत्य दर्शन मानस मंडली ग्राम पंचायत साल्हे की जय हनुमान मानस मंडली, भीरावाही की जय मां शारदे मानस मंडली एवं बांसला के जय बजरंग मानस मंडली को राशि दी जाएगी। इसके अलावा जनपद पंचायत चारामा की ग्राम पंचायत मरकाटोला के श्री राम अनुराग मानस परिवार, भैंसाकट्टा के स्वरांजली मानस परिवार, टांहकापार की जय मां मनकेसरी महिला मानस मंडली, माहूद के अनुरूद्ध सिंहसार मानस मंडली तथा कोटेला के धरती वंदन धेनु मानस परिवार। इसी प्रकार जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल के ग्राम पंचायत लोहत्तर के जय मां सोनादाई मानस मंडली, बांगाचार के बस्तर के श्रृंगार मानस मंडली, जाड़ेकुर्से की जतर खतर मानस मंडली भेलवापानी, गोड़पाल के धर्म जागृति मानस मंडली एवं कोड़ेकुर्से के बाल्मिकी मानस परिवार। जनपद पंचायत कांकेर अंतर्गत ग्राम पंचायत डुमाली के नव प्रभात मानस मंडली, बागोडार के बरखा मानस मंडली, कोदागांव के गायत्री महिला मानस मंडली, मरकाटोला के प्रयास मानस परिवार और पोटगांव के जागृति महिला मानस मंडली। जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत यशवंत नगर के राधा रमन संप्रदाय, कल्याणपुर के भाई-भाई संप्रदाय, हरनगढ़ के नित्यानंद संप्रदाय, प्रेमनगर के श्रीमद् ओसनी संप्रदाय तथा छोटेकापसी की राम मंडली खासपारा एवं जनपद पंचायत नरहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रिसेवाड़ा के मोर गंवई गांव मानस मंडली, ढेकुना के नवदीप मानस परिवार।

एक नजर

साप्ताहिक बाजार में यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को किया जागरूक

बीजापुर 22 जनवरी । सड़क सुरक्षा माह के तहत विभिन्न आयोजनों के माध्यम से यातायात विभाग के द्वारा लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने हर दिन एक नई-नई पहल की जा रही है। बीजापुर साप्ताहिक बाजार रविवार के दिन स्थानीय एवं अन्य ग्राम से साप्ताहिक बाजार में आए लोगों को पंपलेट वितरण कर पंपलेट के माध्यम से लोगों को जागरुक करते हुए बताया कि हमेशा फुटपाथ में लोगों को चलने सड़क पार करते वक्त ज़ेबरा क्रॉसिंग का उपयोग करने सड़क को दौड़कर पार न करने के साथ-साथ लोगों को अपील करते हुए बताया कि अंधे एवं बुजुर्ग व्यक्तियों को सड़क पार करने में सहयोग करने रफ्तार सीमित रखना बीच सड़क में वहां न खड़ा करने ट्रैफिक सिग्नल, नियम एवं संकेतो का पालन कर सुरक्षित और सावधानी पूर्वक वाहन चलाने की समझाइश दिया गया। सड़क सुरक्षा का कार्यक्रम में एक माह तक जारी रहेगा इस सड़क सुरक्षा के तहत लोगों में जागरूकता लाने विभिन्न आयोजन किया जा रहा है जिसमें मोटर साइकिल चालकों को हेलमेट, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट पहनने वालों को ट्रैफिक लोगो एवं गुलाब फूल दिया गया।

मोटरसाइकिल में तीन सवारी न चलने नशे की हालत में वाहन न चलाने हेलमेट पहनने व यातायात नियमों का पालन करने वाले लोगों को जागरूक किया जा रहा है इस कार्यक्रम में बताया गया कि आज समय में मोटरसाइकिल दुर्घटना में अधिकांश लोगों को गंभीर चोट तब लगती है जब वह हेलमेट नहीं पहने होते हैं क्योंकि मोटरसाइकिल दुर्घटना में हेलमेट नहीं पहने होने से सिर में चोट लगने से दुर्घटना गंभीर हो जाता है वहीं हेलमेट पहने होने से हाथ पैर के चोट लगती है जिससे ठीक किया जा सकता है। इन सब कारणों के चलते पुलिस विभाग द्वारा हेलमेट पहनने हेतु लगातार अपील की जा रही है। ऑटो, टैक्सी चालकों को भी समझाइश देकर शपथ दिलाया गया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ स्टीकर लगा योजना का किया जा रहा प्रचार-प्रसार

बीजापुर 22 जनवरी। जिला कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय के निर्देशन में जिला कार्यक्रम अधिकारी लुपेंद्र महिनाग के मार्गदर्शन में जिला के सभी शासकीय कार्यालयों एवं पंचायत भवनों आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूल, कालेजों में बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ अभियान का स्टीकर लगा कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जिले में रास्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पूरे माह जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत अभियान के माध्यम से बालिका शिक्षा से किसी भी हाल में आर्थिक, सामाजिक कारण से वंचित न हो, लिंग चयन कर भेदभाव करना कानूनी अपराध है, बाल विवाह न करने संबंधी जानकारी के साथ कानूनी अधिकारों की जानकारी दी जा रही है।

पालिका की पीआईसी और परिषद की बैठक में 36 प्रस्तावों पर लगी मुहर

महासमुंद। नगर पालिका सभाकक्ष में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राशि त्रिभुवन महिलांग की अध्यक्षता में शुक्रवार प्रेसीडेंट इन काउंसिल और परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कुल 36 प्रस्ताव लाए गए जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया।बैठक में नगर पालिका उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार चंद्राकर, सीएमओ टॉमसन रात्रे, सभापति बबलू हरपाल,पवन पटेल, अमन चंद्राकर, निखिलकान्त साहू, डमरूधर मांझी, सरला गोलू मदनकार उपस्थिति में पीआईसी की बैठक हुई। बाद अध्यक्ष राशि त्रिभुवन महिलांग, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार चंद्राकर, सीएमओ टॉमसन रात्रे व सभापति बबलू हरपाल,पवन पटेल, अमन चंद्राकर, निखिलकान्त साहू, डमरूधर मांझी, सरला गोलू मदनकार व पार्षद देवीचंद राठी, हाफिज कुरैशी, संदीप घोष, मनीष शर्मा मुन्ना देवार, रिंकू चंद्राकर समेत अन्य पार्षदों की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें प्रस्ताव क्रमांक 1-जाति एवं मूल निवास की उद्घोषणा के संबंध में प्राप्त आवेदनों पर जाति एवं निवास की पुष्टि हेतु प्रस्ताव विचारार्थ एवं निर्णय बाबत निकाय के बड़े बकायेदारों की सूची पेपर में प्रकाशन करने के संबंध में विचार एवं निर्णय। प्रस्ताव क्रमांक 2- वार्ड समिति द्वारा वार्ड 24 स्थित तालाब के देखरेख रखरखाव एवं मछली पालन के अनुमति हेतु प्राप्त आवेदन के संबंध में विचार एवं निर्णय। प्रस्ताव क्रमांक 3- बस स्टेण्ड व्यवस्थापन हेतु दुकान आवंटन में छूटे हुए 02 व्यवसायियों को दुकान आवंटन के संबंध में विचार एवं निर्णय। प्रस्ताव क्रमांक 4 -अध्यक्ष / पार्षद निधि से सामाग्री कय की भुगतान के संबंध में विचार एवं निर्णय। फिल्टर प्लांट हेतु एलम कय किये गये देयक के भुगतान के संबंध में विचार एवं निर्णय। प्रस्ताव क्रमांक 5- वर्ष 2024-25 हेतु प्लेसमेन्ट कर्मचारियों हेतु निविदा आमंत्रण के संबंध में विचार एवं निर्णय। प्रस्ताव क्रमांक 6-वर्ष 2024-25 हेतु फिल्टर प्लांट एवं इंटेकवेल के लिए मरम्मत सामाग्री कय किये जाने हेतु निविदा आमंत्रण के संबंध में विचार एवं निर्णय। प्रस्ताव क्रमांक 7- 2024-25 में जल विभाग के लिए आवश्यक सामाग्री कच किये जाने हेतु वार्षिक निविदा आमंत्रण के संबंध में विचार एवं निर्णय। प्रस्ताव क्रमांक 8- वर्ष 2024-25 में विद्युत विभाग के लिए आवश्यक सामाग्री कय किये ।

श्रीरामलला प्राण-प्रतिष्ठा

रामोत्सव पर मानस कीर्तन से गूंजेंगे क्षेत्र के देवालय, दीपों से रोशन होंगे गांव व शहर

रायगढ़, 22 जनवरी। श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर जिले में भव्य आयोजन की तैयारी है। राम नाम के मानस कीर्तन से पूरे दिन देवालय गूंजेंगे, शाम में दीपदान किया जाएगा।

शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरे जिले में नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, निजी संस्थानों, ट्रस्ट, मंदिर समितियों की भागीदारी से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम रायगढ़ के श्री राम मंदिर गांधीगंज रायगढ़ में आयोजित होगा। नगर निगम द्वारा यहां सुबह 7 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। प्रातः 8 बजे दीप प्रज्वलन, आरती व प्रसाद वितरण होगा। जिसके पश्चात दोपहर 12 बजे से मानस मंडलियों द्वारा राम चरित मानस का पाठ होगा। यहां राम लला के प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। शाम 6 बजे मंदिर परिसर और गणेश तालाब में दीपदान किया जायेगा। इसी के साथ पूरे शहर में विभिन्न मंदिरों और चौक-चौराहों में भजन-कीर्तन और दीपदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। रामायण मानस मंडलियों के कार्यक्रम के साथ मंदिरों में लाइटिंग और साज-सज्जा किए जायेंगे। सभी विकासखंड मुख्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विकासखंड स्तरीय आयोजनों में तमनार में गायत्री मंदिर बस स्टैण्ड से पास तमनार, धरमजयगढ़ में बजरगंबली मंदिर तहसील परिसर धरमजयगढ़, लैलूंगा में बजरंगबली समलाई मंदिर शांति नगर लैलूंगा, रायगढ़ में मनस मंदिर ग्राम बनसिया, पुसौर में जगन्नाथ मंदिर पड़ीगांव पुसौर, खरसिया में श्रीराम मंदिर भालूनारा (देहजरी) खरसिया, घरघोड़ा में गायत्री मंदिर घरघोड़ा में राम लला प्राण प्रतिष्ठा पर रामायण मंडलियों का कार्यक्रम होगा।

रामोत्सव पर 121 वर्ष पुराने मंदिर में भव्य आयोजन-रायगढ़ शहर में 121 वर्ष पुराने रामगुड़ी पारा मंदिर में सजे राम दरबार में 22 जनवरी राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर पूरे दिन कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। यहां विशेष लाइटिंग और साज-सज्जा की गई है। 22 जनवरी को अखंड रामायण पाठ किया जाएगा। दोपहर 3 बजे से प्रभात फेरी निकाली जाएगी। शाम 6 बजे आतिशबाजी और 7 बजे से भंडारा प्रसाद वितरण किया जाएगा।

हनुमान मंदिरों में होगा सुंदर काण्ड का पाठ-शहर के पहाड़ मंदिर, सुभाष चौक सहित अन्य हनुमान मंदिरों की विशेष साफ -सफाई व साज-सज्जा की जा रही है। यहां राम लला प्राण प्रतिष्ठा पर सुंदर काण्ड का पाठ किया जाएगा। वहीं शहर में आस्था का प्रमुख केंद्र बूढ़ी माई मंदिर में दीपदान कर रामोत्सव मनाया जायेगा।

कला जत्था गांव-गांव में दे रहे राम नाम का संदेश-राम लला प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व कला जत्था दल गांव-गांव में पहुंचकर मर्यादा पुरोत्तम श्री राम के आदर्शों का संदेश दे रहा है। अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कलाकार श्री राम के जीवन-प्रसंगों का मंचन कर रहे हैं।

योजनाओं की गंभीरतापूर्वक संचालन कर हितग्राहियों को लाभान्वित करेः अग्रवाल

गरियाबंद, 22 जनवरी। जिला पंचायत सभा कक्ष में कलेक्टर दिपक अग्रवाल ने महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। जिसमें बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभागीय जानकारी दी । कलेक्टर श्री अग्रवाल ने गरियाबंद एवं मैनपुर ब्लॉक में विशेष रूप से सुपोषण योजना को संचालित करने के निर्देश दिए। जिससे कुपोषित बच्चों एवं महिलाओं को सुपोषित किया जा सके । जिसका मुख्य उद्देश्य कुपोषण स्तर में कमी लाना, किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया के स्तर में कमी लाना, शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए प्रयास करने के लिए उचित मॉनिटरिंग के साथ समुदाय के व्यवहार परिवर्तन लाने व कार्ययोजना तैयार कर

संभावित लक्ष्य प्राप्त करना है । कलेक्टर ने जिले में संचालित सभी आंगनबाड़ी केंद्र में बिजली कनेक्शन, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, नया आंगनबाड़ी भवन एवं निर्माणधीन भवन की जानकारी लेते हुए जल्द से जल्द पूर्ण करने हेतु परियोजना अधिकारी सज कहा । स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वय स्थापित कर आगन बाडी केंद्रो में डेली रूटीन चेकअप सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अन्य सरकारी योजना जैसे नोनी सुरक्षा, सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदन योजना के सभी पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलवाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या विवाह का टारगेट पूरा करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद मिशन वात्सल्य एवम मिशन शक्ति योजना के तहत सखी सेंटर, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति व नवा विहान के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी दिया गया कि मैनपुर एवं देवभोग ब्लॉक में पोषण पुनर्वास केंद्र खोलने की स्वीकृति मिल गया है जिसे जल्द ही अमल किया जाएगा। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जिला में राष्ट्रीय कृमि दिवस को सफल बनाने के लिए विभाग से समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए । कलेक्टर ने जिला के सभी बीएमओ को स्वास्थ्य केंद्र को साफ सफाई एवं व्यवस्थित रखने तथा टीकाकरण को बढ़ाने के निर्देश दिए । इसके बाद उप संचालक समाज कल्याण विभाग द्वारा जानकारी दिया गया की सभी ब्लॉक में शिविर के माध्यम से दिव्यांग बच्चो का सर्टिफिकेट बनाया गया, ऐसे बच्चे जो पात्र हैं उन्हें योजना से जोड़ने का कार्य चल रहा है । कलेक्टर द्वारा सभी जगह भारत माता वाहिनी का गठन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारी को आगामी 15 अगस्त को सम्मानित कर प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर राज्य राजधानी क्षेत्र का होगा विकास

रायगढ़, 22 जनवरी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर भिलाई एवं दुर्ग को शामिल करते हुए राज्य राजधानी क्षेत्र का विकास करने की योजना छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बनाई गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में चले रही सभी परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। विभागीय मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने गुणवत्ता विहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उक्त निर्देश के परिपालन में नवा रायपुर अटल नगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा सभी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा पश्चात ऐसे कार्य जिनकी प्रगति बहुत धीमी थी तथा ठेकेदारों को कई बार नोटिस देने के बाद भी कार्य में तेजी नहीं आई, उन कार्यों के वर्तमान ठेकेदार से अनुबंध खत्म कर नये ठेकेदार से कार्य कराने का निर्णय स्मार्ट सिटी के संचालक मण्डल द्वारा आज 19 जनवरी 2024 को आयोजित बैठक में लिया गया है।

गांव-गांव तक पहुंचा रामोत्सव का उल्लास

रायगढ़, 22 जनवरी। अयोध्या में आयोजित रामोत्सव का उल्लास गांव-गांव तक पहुंच रहा है। जिले के विभिन्न ग्रामों में कला जत्था सांस्कृतिक दल के कलाकारों द्वारा राम भजन के माध्यम से माता कौशिल्या और माता शबरी की गाथा सुनाई जा रही है। इस अवसर पर श्रीराम, हनुमान और अन्य भक्ति गीतों पर श्रोता झूम-झूम कर राम भक्ति में सराबोर हो रहे हैं। भजन के दौरान कई गांवों की महिलाओं द्वारा नारियल फोड़कर एवं अगरबत्ती जलाकर भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की गई और प्रसाद वितरण किया गया।

500 वर्षो के लंबे अंतराल के बाद अयोध्या के रामजन्म भूमि पर मंदिर का निर्माण हुआ है। जिसके लिए जिले समेत देश भर के लाखों सेवकों ने तमाम विपत्तियों को पार कर राम लला की मूर्ति स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया था। आज वह पल भी आ गया जिसका ख्वाब देश वासियों ने दशकों पहले संजोया था। इस

सुखद अनुभूति का आनंद अब गांव-गांव व घर-घर देखा जा रहा है। जिला जनसंपर्क के सहयोग से कला जत्था सांस्कृतिक दल के कलाकार इस उल्लास को गांव-गांव और घर-घर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। भक्ति गीत और नृत्य नाटिका के माध्यम से भगवान श्रीराम के अमर गाथाओं का बखान किया जा रहा है। रायगढ़ जिले के विभिन्न गांवों में इस तरह का भक्तिमय कार्यक्रम लोक झंकार कला केंद्र के कलाकारों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान भगवान श्री राम, माता कौशिल्या और माता शबरी की गाथा सुनाई जा रही है। प्रभु श्रीराम का छ.ग ननिहाल है, इसका भी वर्णन किया जा रहा है। कहां-कहां श्रीराम के पग पड़े उसको भी इंगित किया जा रहा है।

लोगों तक पहुंचा रहे सीएम का संदेश-इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का संदेश भी लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। हर गांव के कार्यक्रम में सीएम श्री साय का ऑडियो संदेश सुनाया जा रहा है। जिसे लोग बड़े ध्यान और गंभीरता से सुन रहे हैं।

कछार में महिलाओं ने की पूजा-अर्चना-कार्यक्रम के दौरान जब लोक झंकार कला केंद्र की टीम कछार गांव पहुंची तो वहां लोगों का उत्साह देखते बन रहा था। इस गांव के हर घर में श्रीराम का विजय पताका फहर रहा है। हालांकि अन्य गांवों में भी इसी तरह का माहौल है। जब कार्यक्रम शुरू हुआ तो वहां की महिलाओं ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना की। इस दौरान दल के कलाकार भक्ति भजन की प्रस्तुति देते रहे। लोग भक्ति गीतों में झूमते नजर आए।

नगर पालिका अध्यक्ष ने शीतला मंदिर में चलाया सफाई अभियान, कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों ने लिया भाग

गरियाबंद,22 जनवरी। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर देशभर में 14 से 21 जनवरी तक मनाए जा रहे स्वच्छ तीर्थ स्वच्छ भारत अभियान के तहत आज नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन के नेतृत्व में पालिका प्रशासन द्वारा शीतला मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें प्रमुख रूप से कलेक्टर दीपक अग्रवाल भी शामिल हुए।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार और कलेक्टर दीपक अग्रवाल के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा प्रशानिक अमले ने मंदिर परिसर में झाड़ू लगाई और कूड़ा कड़कट एकत्रित कर डिस्पोज किया। लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनटेके, सभापति आसिफ मेमन, वंश गोपाल सिन्हा, पार्षद ऋतिक सिन्हा, प्रतिभा पटेल, ज्योति सहनी, चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष प्रकाश चंद रोहरा, विनय दासवानी अजय रोहरा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता अभियान

अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने कहा कि 22 जनवरी को भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 14 से 21 जनवरी तक स्वच्छता सप्ताह मनाया जा रहा है। यह एक सराहनीय अभियान है। देश के हर नागरिक स्वफूर्त ही इसमें जुड़ रहा है। धार्मिक स्थलों और मंदिरों के सफाई और साज सज्जा होने के साथ ही 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन सभी मंदिर जगमग होंगे। उन्होंने नगर के लोगो से भी अपील करते कहा कि नगर के धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई रखे, गंदगी न फैलने दे।

मौके पर कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कहा कि देशभर में आज स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। यह अच्छी पहल है। जब हम सब और समाज का हर वर्ग जागरूक होगा, इसके महत्व को समझेगा तब देश स्वच्छता और स्वच्छ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। उन्होंने सभी जिलेवासियों से अपनी घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की।इस अवसर पर कार्यक्रम में पूर्व नपा अध्यक्ष मिलेश्वरी साहू, दीनू सिन्हा, ताकेश्वरी साहू, सरिता साहू, इम्मू मेमन, छगन यादव, नरेंद्र सिन्हा, अपर कलेक्टर अविनाश भोई, एसडीएम भूपेंद्र साहू, तहसीलदार प्रवीण पोर्ते, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी कृष्णा जांगड़े, इंजी अश्वनी वर्मा, केशनाथ साहू, लेखापाल साहू सहित पूरा नगर पालिका का अमला मौजूद रहा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के 479 शिविर में 7 लाख से ज्यादा लोग जुड़े

रायगढ़, 22 जनवरी। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान मोदी की गारंटी वाली डिजीटल गाड़ी रायगढ़ जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन पहुंच रही है। जहां केन्द्र शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में विभागीय स्टॉल भी लगाये जा रहे है और उन योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। शासकीय योजनाओं का लाभ लेने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। जिले में अब तक 479 शिविर का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें 7 लाख 1 हजार 543 लोग इस शिविर में हिस्सा बन चुके है। जिसमें पुरूषों के अपेक्षा लगभग 4 लाख महिलाओं ने अपनी भूमिका निभायी है।

3 लाख से ऊपर लोगों ने कराया स्वास्थ्य जांच-विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य केंद्र लगाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच भी की जाती है। इसके अलावा उन्हें गाँव में मुख्यतः होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी देते हुए उनसे बचने की सलाह और निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जा रही हैं। शिविर के आयोजन से ग्रामीणों में अपने स्वास्थ्य की चिंता और स्वस्थ रहने की ललक दिखाई देने लगी है। अब तक हुए शिविर में 3 लाख 76 हजार 31 लोगों ने अपना हेल्थ चेकअप करवा चुके है।

46 हजार से ऊपर लाभार्थियों ने साझा किए अनुभव-विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में उक्त ग्राम के ऐसे सभी लाभार्थी शामिल हो रहे है। जिन्हें केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है। वे सभी लाभार्थी मेरी कहानी-मेरी जुबानी के माध्यम से अपना अनुभव साझा करते हुए अन्य लोगों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित कर रहे है।

ड्रोन का किया जा रहा प्रदर्शन-विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान भारत सरकार के माध्यम से स्थानीय किसानों को आधुनिक और उन्नत तकनीक के साथ जोड़ने का संकेत दिया जा रहा है। ड्रोन डेमोन्स्ट्रेशन में गाँव के किसानों को यह बताया गया कि कृषि ड्रोन किस प्रकार से खेती के कई कार्यों में सहायक हो सकता है। इस दौरान ड्रोन द्वारा खेत में पेस्टिसाइड छिड़काव करने का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने अपने सवाल भी पूछे जिस पर ड्रोन ऑपरेटर ने बताया कि ड्रोन के उपयोग से न केवल काम की गति में तेजी आएगी वहीं किसानों का समय भी बचेगा। जहां मानवीय तरीके से एक एकड़ में दवाई डालने में पूरा दिन लग जाता है वहीं ड्रोन की मदद से यह कार्य मात्र 15 मिनट में पूरा किया जा सकता है। इस डेमो के बाद गाँव के किसानों ने नए और विशेषज्ञता वाले तकनीकी साधनों के प्रति अपनी रुचि बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे वह अपने कृषि उत्पादन में वृद्धि करने में सक्षम होंगे।

विकसित संकल्प भारत यात्रा शिविर नगरीय निकाय बीजापुर एवं भोपालपटनम में सम्पन्न

बीजापुर 22 जनवरी । विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का आयोजन बीजापुर एवं नगरपंचायत भोपालपटनम में आयोजित हुआ नगर पालिका बीजापुर द्वारा जिला कार्यालय के प्रांगण में आयोजित किया गया। शिविर के माध्यम से एलईडी वाहन द्वारा भारत के प्रधानमंत्री का संदेश वाचन किया गया जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों द्वारा देश की आजादी के शताब्दि वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने की संकल्प ली गई। शिविर के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागीय स्टॉल लगाया गया जिसमें प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आधार कार्ड अपडेट, आयुष्मान कार्ड योजना एवं मुद्रा लोन योजना सहित विभिन्न विभागीय स्टॉलों के माध्यम से जनहित कारी योजनाओं से लोगो को लाभान्वित किया गया। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजनार्न्तगत 02 हितग्राहियों को 10-10 हजार का चेक प्रदान किया, प्रधानमंत्री आवास पूर्ण होने पर हितग्राहियों को उनके नए घर चाबी सौंपी गई। शिविर के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कर उपचार एवं दवाई वितरण भी किया गया जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर स्वास्थ्य जांच कर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त की। इस दौरान स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।मेरी कहानी मेरी जुबानी÷ के तहत प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से लाभान्वित हितग्राही त्रिवेणी मंडावी ने अपना अनुभव साझा कर योजना से लाभान्वित होने पर शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित हितग्राही ने कच्चे मकान से निजात मिलने एवं नए मकान प्रधानमंत्री आवास योजना से मिलने पर केन्द्र सरकार एवं देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। इसी तरह हितग्राही मधु सिंह ने ऋण योजना से लाभान्वि होकर अपना व्यापार-व्यवसाय बढ़ाने की जानकारी देते हुए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया। बीजापुर स्थित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री बेनहूर रावतिया, वरिष्ठ नागरिक श्री जी वेंकट, श्री श्रीनिवास मुदलियार सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण संयुक्त कलेक्टर श्री पवन कुमार प्रेमी, प्रभारी सीईओ जिला पंचायत श्री गीत कुमार सिन्हा, सीएमओ नगरपालिका श्री जॉन पॉल सहित वार्ड पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

योजनाओं को धरातल में लागू करने एकजुट होकर काम करें अधिकारी :कलेक्टर

बीजापुर 22 जनवरी। जिला पंचायत सभागार में शुक्रवार को कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। मनरेगा में आधार भुगतान प्रणाली की समीक्षा कर मजदूरों के आधार कलेक्शन कर उन्हें योजना का लाभ पहुंचाने निर्देशित किया। शासन की महत्वाकांक्षी योजना एनआरएलएम अंतर्गत लखपति दीदी बनाने आजीविका मूलक गतिविधि से महिलाओं को जोड़ने प्राथमिकता से करने निर्देशित किया। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों से समन्वय कर आवास निर्माण को 31 मार्च तक पूर्ण कराने अधिकारियों को निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में प्रभारी जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गीत कुमार सिन्हा ने जिले में ग्रामीण विकास की योजनाओं को प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि मनरेगा अंतर्गत वर्तमान में 8 हजार से अधिक मजदूर कार्य कर रहे है। वहीं जिले में एनआरएलएम अंतर्गत कुल 19 हजार 9 सौ परिवार जुड़े हैं। जिले में लखपति दीदी का प्रतिशत 12 फीसदी है, जिसे प्राथमिकता क्रम में रखा गया है। जिले में वर्तमान में 1573 आवास अपूर्ण हैं, जिन्हें जल्द पूर्ण कराने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत सामुदायिक शौचालय, व्यक्तिगत शौचालय, सोख पीठ गड्ढा को जल्द पूर्ण करने कहा गया है।समीक्षा बैठक में सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी, जिला समन्वयक रंजीत सिंह, गंभीर परिहार, चारो जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी के अलावा योजनाओं के जिला एवं ब्लाक अधिकारी उपस्थित थे।

पठान ढ़ोडगी विखं स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला में ग्रामीण लाभान्वित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छूरिया, 22 जनवरी। संचालनालय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशन एवं ज़िला आयुर्वेद अधिकारी राजनांदगाँव के कुशल मार्गदर्शन में एकदिवसीय विकासखंड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन, जिसमें निःशुल्क आयुर्वेद एवम् होम्योपैथी शिविर का आयोजन व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुष काढ़ा का वितरण पढ़ान ढ़ोडगी, विकासखंड छुरिया, ज़िला राजनांदगाँव में किया गया शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि संध्या महेश चंद्रवंशी(जनपद सदस्य छुरिया), मनोज कुमार निषाद (सरपंच), केशव राम निषाद, गोविंद यादव, महादेव चंद्रवंशी ग्राम पटेल, प्रेमलाल पटेल ग्राम प्रमुख, लक्ष्मी नारायण श्रीवास्तव, उदय राम चंद्रवंशी, एवं ग्राम के समस्त पंचगण व ग्राम के गणमान्य नागरिकों, एवं शिविर प्रभारी डॉ अनिरुद्ध पटेल, डॉ योगेश्वरी ठाकुर, डॉ हर्षा चौरसिया, के द्वारा भगवान धन्वन्तरि की पूजा अर्चना कर किया गया। जनप्रतिनिधियो ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से लोगों को चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराकर शासन के योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुँचाने के प्रयासों को खूब सराहना किया। इस शिविर में कुल 427 मरीज़ों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें लोगों को निःशुल्क आयुर्वेद/होम्योपैथी औषध एवं आयुष काढ़ा प्रदान किया गया। निःशुल्क औषधि वितरण के साथ ही शिविर में निःशुल्क बी पी की भी जाँच किया गया। इस शिविर में शिविर प्रभारी डॉ अनिरुद्ध पटेल, डॉ योगेश्वरी ठाकुर, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, डॉ हर्षा चौरसिया, होमियोपैथी चिकित्सा अधिकारी, देवदास साहू,, छगन लाल मालेकर, धिराजी सिन्हा, बिसाहु सिंह ठाकुर आदि आयुर्वेद फ़ार्मासिस्ट, भोगराम चंद्रवंशी, गजेन्द्र ठाकुर, दुजलाल कुंजाम, औषधालय सेवक, छगन राम वर्मा योग प्रशिक्षक इत्यादि ने अपनी सेवायें दी।

एक नजर

पांच प्रबुद्धजनों ने की देहदान की घोषणा

रायपुर, 22 जनवरी। ग्राम धनोरा के पांच प्रबंद्धजनों ने एक साथ देहदान करने की घोषणा की है। इस दौरान विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। इसके बाद धनोरा के ईश्वर सिंह वर्मा और उनकी पत्नी मैना बाई वर्मा, डी एल माहेश्वरी और उनकी पत्नी शशि महेश्वरी के अलावा महेश कुमार साहू ने मानवता की भलाई के लिए निकटवर्ती मेडिकल कॉलेज के नाम जारी की कुल पांच वसीयतें जो पवन केसवानी को प्रदान कीं। चिकित्सा अध्ययन एवं अध्यापन हेतु राजीव लोचन आयुर्वेद कॉलेज, चंदखुरी को अपना मृत शरीर दान देने के लिए पांचों देहदानियों के परिजनों ने उनकी वसीयतों में हस्ताक्षर करते हुए अपनी सहमति प्रदान की ।

युवक से मारपीट

रायपुर, 22 जनवरी। कैलाश नगर बीरगांव में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी कृष्णा पांडे 19 वर्ष कैलाश नगर बीरगांव का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी जीतू साहू अपने दोस्त के साथ प्रार्थी के पास आया और पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दो पक्ष आपस में भिड़े

रायपुर, 22 जनवरी। ग्राम जरौद में पूर्व विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से ग्राम जरौद निवासी संजय साहू 32 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी उदयराम साहू अपने दो साथियों के साथ मिलकर पूर्व विवाद को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थी उदयराम साहू 19 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी संजय साहू अपने दो साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। दोनों पक्षों की शिकायत पर विधानसभा पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

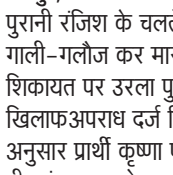

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर, 22 जनवरी। उरला पुलिस ने सिंघानिया चौक के पास अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 30 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सिंघानिया चौक के पास एक युवक अवैध रूप से शराब बेच रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी गणेश पारधी 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 30 पाव देशी शराब जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चाकू लहराते युवक पकड़ाया

रायपुर, 22 जनवरी। उरला पुलिस ने कैलाश नगर में चाकू लहराते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि कैलाश नगर में एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी हरीश साहू 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत कार्रवाई की है।

निधन

परागा बाई साहू

भखारा, 22 जनवरी। ग्राम सियनमरा (अरमरीकला) निवासी परागा बाई साहू, उम्र - 78 वर्ष की आकस्मिक निधन 22 जनवरी, दिन - सोमवार को हो गया। उनके पीछे भरा पूरा परिवार था उनके सुपुत्र गोपाल सिंह हिरवानी, पीलेश्वर हिरवानी, सुपुत्री रामदुलारी साहू, रामप्यारी साहू, बसंती साहू, प्रतिभा साहू की माता जी थी व तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता युगल किशोर साहू की नानी थी। जिसकी अंतिम संस्कार ग्राम की शांति घाट में विधि विधान पूर्वक किया गया अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समाज जन उपस्थित थे। संपूर्ण कार्यक्रम 24 जनवरी दिन बुधवार को रखा गया है।

जिले में निःशुल्क मूकबधिर स्कूल का शुभारंभ

13.5 फीट ऊंची भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 22 जनवरी। बालोद के 7 कि.मी की दूरी पर ग्राम उमरादाह में बाफ्ना परिवार द्वारा सुल्तानमल सजनाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत अब मूक बधिर बच्चों के लिये निःशुल्क सर्व सुविधा युक्त पार्श्व दिव्यांग विद्या मंदिर का संचालन किया जा रहा है।यहां इस वर्ष 16 मूक बधिर बच्चों के साथ पढ़ाई प्रारंभ हो गई है।इन्हें पढ़ाने वाले शिक्षक दुष्यंत साहू स्वयं मूक बधिर है तथा मूक बधिर बच्चों को पढ़ाने में प्रशक्षित है। इस विद्या मंदिर को मंदिर का स्वरूप मानते हुए यहां पर जैनों के 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ नाथ प्रभू की 13.5 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है जिसकी प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 सोमवार को किया गया। संत उपाध्याय प्रवर महेंद्र सागरजी एवम मनीष सागरजी के शिष्य ऋषभ सागरजी, रिजु प्रज्ञा सागरजी म सा आदि का इस हेतु बालोद आगमन हो गया है। इन संतों की निश्रा में तथा विधिकारक विमलजी गोलछा एवम परम गुरुभक्त संभव लुनिया की उपस्थिति में प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।22 जनवरी को इस हेतु निम्न कार्यक्रम होंगे- प्रातः 8.30 बजे क्कअठ्ठारह अभिषेक पूजा, दोपहर 12 बजे स्वामी वात्सल्य, दोपहर 3 बजे गुरु भगवंतों का प्रवचन एवम विद्या मंदिर की पृष्ठभूमि एवम रात्रि 6.45 बजे भक्ति।

इस ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ मूलचंद बाफ्ना ने बताया कि हमने माता पिता की प्रेरणा से उनके नाम सुल्तानमल सजनाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम पर संस्था बनाकर यह समाज सेवा का कार्य कर रहे है उन्होंने बताया कि ग्राम उमरादाह में हमने लगभग 2.5 एकड़ भूमि पर इस स्कूल का निर्माण कराया है जहाँ पर ऐसे बच्चे जो सुन नही सकते, बोल नही सकते जो मुखबधिर है उनके लिए निशुल्क शिक्षा के साथ साथ उनके रहने एवं खाने व आवास की भी व्यवस्था इस स्कूल में दी जा रही है यह स्कूल पार्श्वनाथ दिव्यांग विद्यामंदिर के नाम से संचालित किया जा रहा है जिसका विधिवत शुभारंभ आज 22 जनवरी को होना है।

इस ट्रस्ट के अध्यक्ष गौतम बाफ्ना ने बताया कि हमारा बाफ्ना परिवार आज से ही नही बल्कि कई वर्षो से समाज सेवा करते आ रहे है बालोद में सर्वप्रथम एम्बुलेंस की सुविधा इसी परिवार द्वारा प्रदान की गई जो आज भी संचालित है।बालोद में जमीन से निकली गणेश जी की प्रतिमा के प्रति पूरे परिवार की श्रद्धा एवं आस्था है, इसे मंदिर का स्वरूप प्रदान करने में परिवार का पूर्ण योगदान रहा।अब इस मंदिर के साथ ही गणेश प्रसादम का भी संचालन हमारे द्वारा किया जा रहा है जिसमे नाम मात्र शुल्क 30 रुपये पर जरूरतमंदों को भरपेट भोजन कराया जाता है।

परिवार के वरिष्ठ सदस्य मदन बाफ्ना ने बताया कि हमारा परिवार शुरू से ही समाज सेवा के कार्यो में जुड़ा हुआ है बताया कि वर्ष 2015 में एक पारिवारिक सम्मेलन में हमारे परिवार के 32 सदस्यों ने एक साथ मिलकर देहदान का संकल्प लिया एक साथ इतने सदस्यो द्वारा एक साथ संकल्प लेने का इतिहास रचते हुए हमारे परिवार का नाम गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल हुआ और बताया कि सिर्फ संकल्प ही नही बल्कि हमारे परिवार के सदस्य मेरे छोटे भाई राजेश बाफ्ना की 6 अकूटबर 2022 को मृत्यु पश्च्यात हमने उसके शरीर को राजनांदगांव मेडिकल कालेज में डोनेट कर यह देहदान का कार्य किया भी है।

शोभयात्रा

तिल्दा-नेवरा, 22 जनवरी। तिल्दा नेवरा में आज भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जो तिल्दा राधे कृष्ण मंदिर से नेवरा गोपाल मंदिर में समापन हुआ। भगवान श्रीराम के मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर नगर वासियों में भारी जोश देखा गया छोटे छोटे स्कूल के बच्चे राम लक्ष्मण सीता हनुमान बन कर निकले इस यात्रा में नगरवासियों ने जोरदार स्वागत किया।

रायपुर में यातायात और थाना पुलिस ने स्टूडेंट्स को बताया

ट्रैफिक रूल्स का हमेशा करें पालन

रायपुर, 22 जनवरी। छत्तीसगढ़ मेंसड़क दुर्घटना को देखते हुए प्रशासन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा सप्ताह माह 15 जनवरी से 14 फरवरी तक आयोजन किया जाएगा। इस दौरान थाना मंदिर हसौद और यातायात पुलिस एक निजी विश्वविद्यालय पहुंची, थाना प्रभारी रोहित मालेकर और यातायात से रिसोर्स पर्सन के रूप मे पहुंचे सहायक उपनिरीक्षक टीएल भोई के ने छात्र छात्राओ और कॉलेज प्रबंधन को यातायात के नियमों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क पर तेज गति और लापरवाही पूर्वक स्टंटबाजी करते हुए वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने, नाबालिग बच्चो को वाहन चलाने न देने, यातायात के नियमों और संकेतो का पालन करने के संबंध मे बताया गया।

इस दौरान छात्र छात्राओं से यातायात नियमों का पालने करते हुए वाहन चलाने की अपील भी की गई। यातायात के नियमों के अनदेखी से सड़क हादसों के कारण परिवार समाज को होने वाली क्षति की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया गया। उन्हें गुड सेमेरिटन लॉ के बारे मे बताया गया, साथ ही यातायात जागरूकता से संबंधित पाम्प्लेट का वितरण भी किया गया।

अयोध्या की संस्था छत्तीसगढ़ में संचालित कर रही सीताराम बैंक

रायपुर, 22 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक ऐसा बैंक हैं, जहां पैसे नहीं बल्कि 'राम' नाम जमा है। दो साल पहले शुरू हुए इस बैंक में 1084 खातेदार हैं, जिनके खातों में करीब 1 अरब राम नाम जमा हो गए हैं। यहां उपभोक्ता और संचालक दोनों राम के भक्त हैं। आमतौर पर जहां कॉपी-किताबों को चूहे कुतर जाते हैं वहीं, यहां राम नाम लिखी कॉपियां चूहे नहीं कुतरते। इसके पीछे भी मान्यता है। भक्तों को कोरी कॉपियां मुफ्त में मिलती है और उसमें राम नाम लिखकर वे बैंक में जमा करते हैं। इस बैंक का मकसद लोगों को आध्यात्म से जोड़ना है।

श्री सीता राम मंदिर गोंड़पारा के महंत और रामनाम बैंक के संचालक दिवंगत डॉ. लक्ष्मण शरण महाराज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे।

समाचार संक्षेप

बाल मनोविज्ञान का दर्पण है बाल साहित्यः अर्जुन

छुरा, 22 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर द्वारा यूएसएआईडी एवं रूम टू रीड के सहयोग से बाल साहित्य निर्माण हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला रायपुर के होटल राजपुताना में आयोजित हुआ। बच्चों के मनोविज्ञान को समझते हुए उनकी आवश्यकता अनुरूप हिंदी साहित्य सृजन के नई तकनीक की जानकारी देने के लिए राज्य के उत्कृष्ट शिक्षकों को आमंत्रित किया गया था। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा ने जिला का प्रतिनिधित्व किया। कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञों ने बच्चों के साहित्य लेखन से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जानकारी दिया। बाल साहित्य, बच्चों की रुचि, उनके स्तर एवं वर्तमान में बच्चों की आवश्यकता के अनुरूप लेखन कार्य कर उनमें पढ़ने की रुचि विकसित करता है। सिन्हा ने बताया कि बाल साहित्य में चित्रों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। बाल साहित्य में छपे चित्रों को देखकर बच्चे स्वतः ही पढ़ने का प्रयास करते हैं। पाठ में टेक्स्ट कम व चित्र अधिक होने से उनके पढ़ने की ललक बढ़ जाती है। बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित करने के लिए बाल साहित्य का अपना एक अलग स्थान है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को बच्चों के परिवेश व स्तर के अनुरूप कहानी निर्माण हेतु लेखन के विधा तथा उनके नियमों की जानकारी से अवगत कराया गया। कहानी निर्माण में छोटे-छोटे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित कर बाल साहित्य हेतु कविता, कहानी और बिग बुक निर्माण के गुर सिखाए गए। कार्यशाला के दौरान रात्रिकालीन हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि की आसंदी से योगविद् अर्जुन धनंजय सिन्हा ने समसामयिक प्रसंगों पर सुमधुर प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। काव्य पाठ में उपस्थित सभी कवियों ने प्रतिनिधि रचना से मंच को नयी ऊंचाई दी। सिन्हा ने कहा कि कार्यशाला के तीन दिनों में काव्य रसों की गंगा प्रवाहित हुई। यह अभूतपूर्व व अविस्मरणीय क्षण रहा। विदित हो कि अर्जुन धनंजय सिन्हा, एससीईआरटी द्वारा छत्तीसगढ़ी पाठ्यपुस्तक लेखन का भी हिस्सा रहें हैं।

बसस्टैंड पार्किंग की जिम्मेदारी महिला समूह को

रायपुर, 22 जनवरी। राजधानी रायपुर के अंतर्राज्यीय बसस्टैंड में पार्किंग शुल्क के नाम पर होने वाली अवैध वसूली एवं गुंडागर्दी से आम लोगों को राहत मिलेगी, क्योंकि पार्किंग की जिम्मेदारी एक महिला समूह को दी गई है। यह समूह दिन में दो शिफ्ट में ड्यूटी करेगी, वहीं रात में महिला समूह के परिवार के पुरुष सदस्य ड्यूटी करेंगे। महिला समूह की ड्यूटी लगाने के साथ पार्किंग शुल्क में भी आम लोगों को राहत दी गई है। सवारी छोड़ने आने जाने वाले वाहन चालकों से कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इस तरह महिला समूह को पार्किंग की जिम्मेदारी मिलने से लोगों में भी खुशी देखी जा रही है। नगर निगम प्रशासन ने पार्किंग का ठेका फिलहाल आदर्शनगर मठपारा के महिला समूह शारदेय स्वसहायता समूह को दिया है। इस समूह में अध्यक्ष सहित 15 महिला सदस्य है। महिला को ट्रॉयल के रूप में शुक्रवार को बसस्टैंड पार्किंग की जिम्मेदारी संभालने दिया गया है। इस दौरान महिलाओं को पार्किंग शुल्क लेने का प्रशिक्षण भी दिया गया। हालांकि महिला समूह को पार्किंग का ठेका दिया गया है या फिर निर्धारित वेतन आधार पर रखा गया है, इसकी जानकारी समूह की महिलाएं भी नहीं दे पा रही है। नगर निगम के अधिकारिक सूत्र के अनुसार महिला समूह को फिलहाल ट्रॉयल के रूप में पार्किंग शुल्क वसूली का ठेका दिया गया है। समूह को 12 घंटे, 24 घंटे के हिसाब से कितना पार्किंग शुल्क लिया जाना है, पर्ची कैसे काटनी है, इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं की दो शिफ्ट में ड्यूटी लगाई जाएगी।

स्कूल जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद

रायपुर, 22 जनवरी। राजधानी के आमानाका इलाके में एक स्कूल की जमीन को लेकर उपजे विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर झड़प हो गई। वहीं एक पक्ष की महिला ने दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया। दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

पुलिस के मुताबिक, रायपुर में गोविंद नगर इलाके के रहने वाले रविंदर सिंह रोटरी क्लब रायपुर कास्मो पालिटन के अध्यक्ष हैं. महोबा बाजार के श्रीराम चौक पर रोटरी क्लब ट्रस्ट की जमीन पर कृष्णा किड्स एकेडमी स्कूल संचालित हो रहा है. यह जमीन 2018 में रोटरी क्लब की ओर स्कूल संचालित करने के लिए प्रगति वाजपेयी और उनके पति मोहित वाजपेयी को दी गई थी. यह केवल 5 साल के लिए दिया गया था. किराएदारी की अवधि खत्म हो चुकी थी।

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202401092200038

विषयः- ब-121
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2023-2024

डोंगरगढ़ प.ह.न. 00025 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- श्रीमती अरुणा यादव,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अरुणा यादव पति चिंताराम यादव उम्र 65 वर्ष निवासी वार्ड नम्बर 19 डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम डोंगरगढ़ प.ह.न. 25 तहसील डोंगरगढ़ स्थित खाता क्रमांक 1432 में ख.न. 3/1 रकबा 0.020 हे. कृषि भूमि श्रीमती अरुणा यादव पति चिन्ताराम जाति राउत सा. डोंगरगढ़ के नाम पर दर्ज व स्थित है। उक्त कृषि भूमि का मूल ऋण पुस्तिका कही गुम हो गई है, जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस थाना डोंगरगढ़ में दर्ज किया गया है। अतः उक्त भूमि का डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने बाबत निवेदन किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 22.01.2024 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/01/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
डोंगरगढ़

छत्तीसगढ़ में ठंड का कहरः बारिश होने से बढ़ी ठिठुरन...

रायपुर, धमतरी, बिलासपुर दुर्ग सहित 11 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

रायपुर, 22 जनवरी। छत्तीसगढ़ में इन दिनों हल्की बारिश के साथ कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। शीतलहरी और कोहरे के डबल अटैक से आम जनजीवन प्रभावित है। ट्रेनों और फ्लाइट्स की रफ्तार भी धीमी हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार और सोमवार को भी शीतलहर और कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी।

रायपुर मौसम विभाग की माने तो अगले 48 घंटो के दौरान 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है, उसके बाद कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान दंतेवाड़ा 29.2ए चड्ढ्य, सबसे कम तापमान 7.1एबलरामपुर में दर्ज किया गया। वहीं, आज राजधानी रायपुर में आकाश आंशिक मेघमय रहने तथा एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश 26एष्ट और 17? के आसपास रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने जिन जिलों के लिए येलो अलर्ट किया है उनमें रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, बलौदाबाजार, महासमुंद, रायपुर, गरियाबंद, दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद,धमतरी शामिल है। इन जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही इन जिलों में कड़की की ठंड का सामना भी लोगों को करना पड़ सकता है।

मौसम एजेंसी स्काई मेट वेदर के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, विदर्भ के कुछ हिस्सों, गंगीय पश्चिम बंगाल और केरल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। तमिलनाडु और लक्षद्वीप में और अरुणाचल प्रदेश में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों, पूर्वी मध्य प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के कई हिस्सों में शीत दिवस से लेकर गंभीर शीत दिवस की स्थिति बन सकती है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में सुबह और रात के दौरान घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में शीत लहर से लेकर गंभीर शीत लहर की स्थिति हो सकती है।

छत्तीसगढ़ शासन

!! रामो विग्रहवान् धर्मः !!

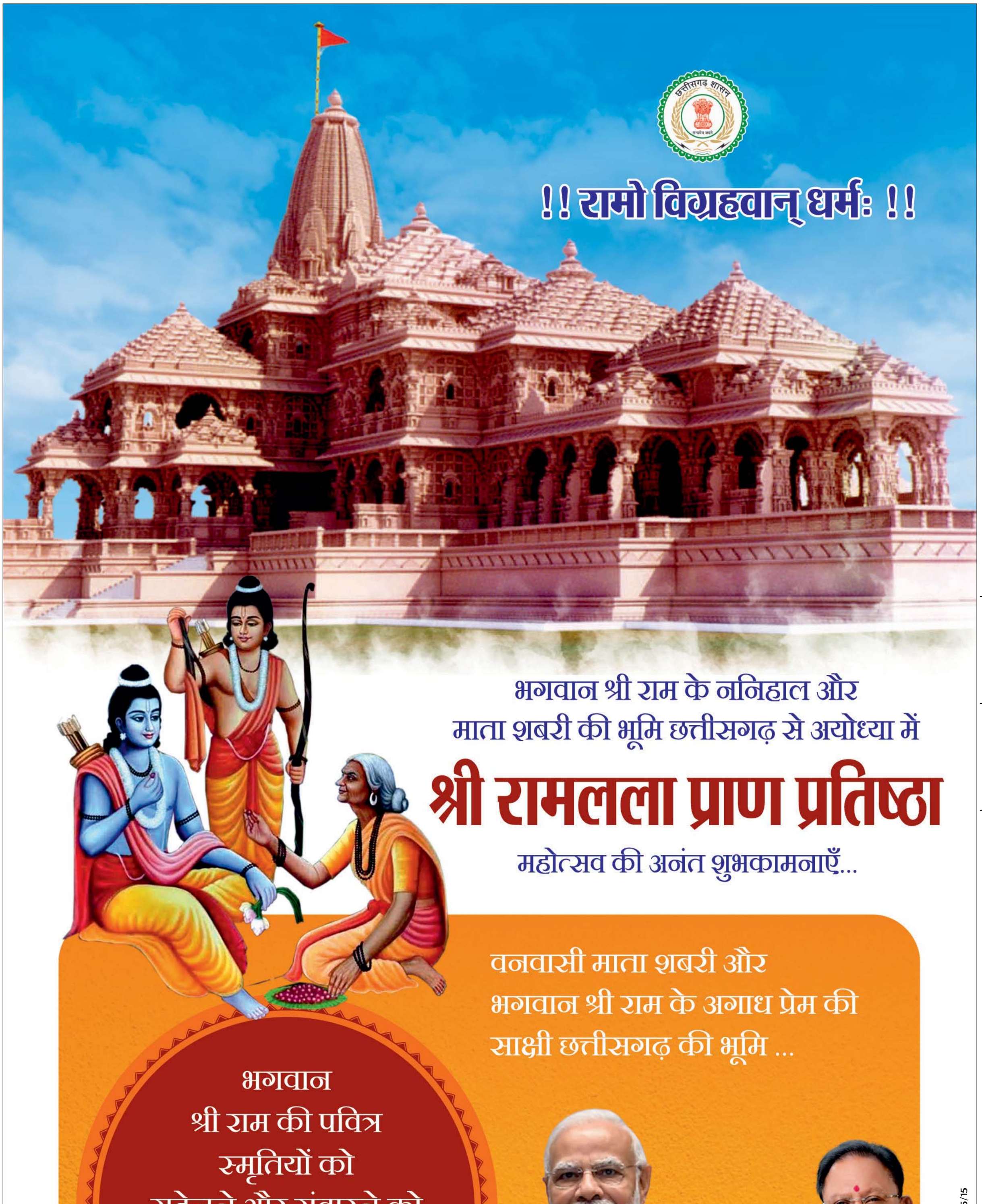

भगवान श्री राम के ननिहाल और
माता शबरी की भूमि छत्तीसगढ़ से अयोध्या में

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा

महोत्सव की अनंत शुभकामनाएँ...

वनवासी माता शबरी और
भगवान श्री राम के अगाध प्रेम की
साक्षी छत्तीसगढ़ की भूमि ...

भगवान
श्री राम की पवित्र
स्मृतियों को
सहेजने और संवारने को
कृत संकल्पित है
छत्तीसगढ़ की विष्णु देव
सरकार।

सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

संवाद आर.ओ. 39425/15

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरूण छत्तीसगढ़, तरूण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26